साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 17 | जौनपुर, मंगलवार, 03 सितम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा गया पुलिस चौकी का इंचार्ज

लखनऊ, एजेंसी। पारा थाने के डॉक्टरखेड़ा चौकी इंचार्ज को विजिलेंस की टीम ने सोमवार को 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया। आरोपी दरोगा पर भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कराई गई है। विजिलेंस के मुताबिक प्रतापगढ़ के रानीगंज निवासी दिनेश कुमार पटेल के खिलाफ पारा थाने में एक एफआईआर दर्ज है। जिसकी विवेचना डॉक्टर खेड़ा चौकी इंचार्ज दरोगा राम देव गुप्ता को सौंपी गई थी। विवेचना के दौरान आरोपी के खिलाफ साक्ष्य नहीं मिले। लिहाजा विवेचक को उसमें फाइनल रिपोर्ट लगानी थी। लेकिन, दरोगा राम देव दिनेश कुमार से फाइनल रिपोर्ट लगाने के एवज में 20 हजार रुपये की घूस मांगी। दिनेश ने विजिलेंस टीम से इसकी शिकायत की। टीम ने दरोगा को रंगेहाथ पकड़ने का जाल बिछाया। उसी के तहत सोमवार को दिनेश चौकी में दरोगा को घूस देने पहुंचे। जैसे ही उनको रकम दी, वैसे ही साथ में आई विजिलेंस की टीम ने उनको दबोच लिया।

विजिलेंस टीम की तरफ से 9454401866 नंबर जारी किया गया है। लोगों से अपील भी की है कि अगर कोई सरकारी कार्य के बदले में रिश्वत की मांग करता है।

सदस्यता अभियान वैचारिक और भावनात्मक आंदोलन - पीएम

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी ने भाजपा के राष्ट्रीय सदस्यता अभियान–2024 का शुभारंभ करते हुए कहा कि सदस्यता अभियान आंकड़ों का खेल नहीं, यह वैचारिक और भावनात्मक आंदोलन है। यह सदस्यता अभियान सिर्फ एक रस्म नहीं है, यह हमारे परिवार का विस्तार है, यह संख्याओं का खेल नहीं है। उन्होंने कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम कितने नंबर हासिल करते हैं। यह सदस्यता अभियान देश को मजबूत बनाने और सामर्थ्य बढ़ाने का अभियान है।

उन्होंने सदस्यता अभियान को एक उत्सव की तरह मनाने का आग्रह करते हुए कहा कि 18 से 25 वर्ष के युवाओं को टारगेट करके उन्हें भाजपा से जोड़ना चाहिए। भाजपा के कार्यकर्ताओं को उन्हें बताना चाहिए कि 10 वर्ष पहले भारत में स्थिति कितनी खराब थी और उनकी सरकार ने देश के हालात को कितना बदला है, देश को किस नई ऊंचाइयों पर ले गई है। युवाओं का सामर्थ्य 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने में काम आएगा। यह सदस्यता अभियान सारे रिकॉर्ड को तोड़ेगा। उन्होंने सदस्यता अभियान को लेकर देश के आकांक्षी जिलों, ब्लॉक और सीमावर्ती इलाकों पर भी ज्यादा फोकस करने की सलाह दी। पीएम मोदी ने कहा कि हम सिर्फ चुनावी मशीन नहीं हैं, बल्कि वो खाद–पानी हैं जो देशवासियों के सपने को सींच सकता है। भाजपा को चुनावी मशीन कहना अपमान है। पीएम मोदी ने भाजपा और अन्य राजनीतिक दलों के बीच के अंतर के बारे में कहा कि आज सदस्यता अभियान का एक और दौर प्रारंभ हो रहा है। भारतीय जनसंघ से लेकर अब तक हमने देश में एक नई राजनीतिक संस्कृति लाने का भरसक प्रयास किया है। जब तक जिस संगठन के माध्यम से या जिस राजनीतिक दल के माध्यम से देश की जनता सत्ता सुपुर्द करती है, वो इकाई, वो संगठन और वो दल अगर लोकतांत्रिक मूल्यों को नहीं जीता है, आंतरिक लोकतंत्र निरंतर उसमें पनपता नहीं है, तो वैसी स्थिति बनती है, जो आज देश के कई दलों में हम देख रहे हैं। भाजपा एक मात्र दल है, जो अपनी पार्टी के संविधान के अनुसार पूरी तरह से लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का पालन करते हुए अपने कार्य का विस्तार कर रही है और जन–सामान्य की आशा, आकांक्षाओं पर खरा उतरने के लिए अपने आप को निरंतर योग्य बनाए रहता है।

ममता सरकार के बलात्कार विरोधी विधेयक का नाम रखा अपराजिता

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल सरकार ने बलात्कार और हत्या के मामलों में दोषियों के लिए मौत की सजा का प्रस्ताव करने वाले विधेयक को पारित करने के लिए सोमवार (2 सितंबर) को एक विशेष सत्र बुलाया है। इंडिया टीवी को मिले दस्तावेजों के मुताबिक, इस विधेयक का नाम श्अपराजिता महिला एवं बाल (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून संशोधन) विधेयक 2024 होगा। राज्य सरकार का प्रस्तावित विधेयक ऐसे समय आया है जब 9 अगस्त को कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या को लेकर विरोध प्रदर्शन जारी है। पश्चिम बंगाल विधानसभा बलात्कारियों को सजा के तौर पर मौत की सजा देने का यह विधेयक पेश करने जा रही है। कल कितनी देर तक चर्चा होगी यह तय करने के लिए बीए (बिजनेस एडवाइजरी) समिति आज बैठक करेगी. सूत्रों के मुताबिक, बीजेपी इस बिल का समर्थन कर सकती है। पश्चिम बंगाल कैबिनेट ने 28 अगस्त को बलात्कार को रोकने और ऐसे अपराधों के लिए कड़ी सजा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक नया विधेयक पेश करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

हम देश के लिए राजनीति करते हैं – योगी

वाराणसी, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को वाराणसी दौरे पर थे। वह काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन–पूजन करने के बाद संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने पांडुलिपियों का अवलोकन किया। इसके बाद सीएम योगी बतौर मुख्य अतिथि भाजपा युवा मोर्चा के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे। सीएम योगी ने इस दौरान कार्यकर्ताओं को ज्यादा से ज्यादा सदस्य बनाने के लिए मंत्र दिए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के हर कार्यकर्ता को अनुशासन में रहकर निष्ठा से संगठन का काम करना है। उन्होंने कहा कि कोई जाति, कोई वर्ग, कोई धर्म, कोई वर्ग या भाषा देश से बड़ी नहीं हो सकती। हम सभी को मिलकर राष्ट्र की एकता और अखंडता के सामने आने वाली चुनौतियों को दूर करना होगा। सामाजिक ताने–बाने को नष्ट करने वाले आज फिर मुखौटे पहनकर देश को गुमराह कर रहे हैं। जो लोग सामाजिक न्याय के लिए समर्पित महापुरुषों का अपमान करते थे, वे वोट के लिए उनकी आरती उतार रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि ये समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के लोग हैं, जिन्होंने वर्षों तक देश पर राज किया। कांग्रेस हो या समाजवादी पार्टी, जब भी उन्हें मौका मिला, उन्होंने देश की कीमत पर राजनीति की। यही फर्क है, वे देश की कीमत पर राजनीति करते हैं और हम देश के लिए राजनीति करते हैं। भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष अमन सोनकर ने कहा कि आज से भाजपा का राष्ट्रीय स्तर पर सदस्यता अभियान का शुभारंभ हुआ है। इसे लेकर वाराणसी में भाजपा युवा मोर्चा ने कार्य शाला का आयोजन किया था।

सपा के राज में अपराध व कांग्रेस के समय में घोटाले होते थे - केशव प्रसाद

मिर्जापुर, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य रविवार को समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा, 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में न सुशासन था, न ही रोजगार। सिर्फ अपराध और भ्रष्टाचार था। उन्होंने कहा, देश में 2014 से पहले सिर्फ घोटाला ही घोटाला नजर आता था। आए दिन टीवी पर कांग्रेस का घोटाला दिखाई देता था। लेकिन, जब से देश के लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनाई है, देश तेजी से प्रगति कर रहा है। इसी प्रकार, साल 2017 में उत्तर प्रदेश में लोगों ने मोदी योगी की डबल इंजन की सरकार बनाई, तब से देश के साथ प्रदेश भी तेजी से विकास के पथ पर दौड़ रहा है। बता दें कि डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य रवध्विार को मिर्जापुर स्थित ग्राम चंदईपुर में वृहद् रोजगार व ऋण मेला तथा टैबलेट वितरण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे थे। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, श्शमिर्जापुर स्थित ग्राम चंदईपुर में वृहद् रोजगार व ऋण मेला तथा टैबलेट वितरण कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं को 1292 टैबलेट्स, लाभार्थियों को 10 टूल किट्स, एसएचजीएस को 13 करोड़ 50 हजार का रिवाल्विंग फंड, बैंक सखियों को प्रशस्ति पत्र तथा आवास योजना के लाभार्थियों को चाबी, आईटीआई के 100 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सहित अन्य योजनाओं के प्रशस्ति पत्र वितरित कर सभी को शुभकामनाएं दीं। साथ ही रोजगार मेले में विभिन्न स्टॉलों के माध्यम से प्रदर्शनी का अवलोकन किया। दूसरे पोस्ट में उन्होंने लिखा, केंद्र व प्रदेश सरकार की लोकप्रिय योजनाओं के लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र वितरित करने के बाद, ग्राम चंदईपुर, मिर्जापुर की विशाल जनसभा को संबोधित किया।

केशव मौर्य ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को 2047 तक विकसित भारत बनाने का संकल्प लिया है। हमें इस संकल्प को पूरा करने में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करनी है। जब हम विकसित भारत की बात करते हैं।

नीतीश न तो विशेष राज्य का दर्जा और न तो आरक्षण दिला पाए – तेजस्वी

बिहार, एजेंसी। बिहार में सियासत गरमाई हुई है। आरक्षण के मुद्दे पर एनडीए सरकार जहां पहले से ही विपक्ष के निशाने पर है तो वहीं, अब आरजेडी ने राज्य में एनडीए सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। बिहार में आरक्षण का मुद्दा लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। इस मामले को लेकर बिहार की एनडीए सरकार विपक्ष के निशाने पर है और अब आरक्षण के मुद्दे पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सरकार के खिलाफ धरना दे दिया। इस दौरान तेजस्वी ने सीएम नीतीश पर जमकर हमला बोला, उन्होंने कहा कि आज मैं धरने पर बैठा हूं और नीतीश कुमार को ये बताना चाहिए कि नौवीं अनुसूची में आरक्षण को क्यों नहीं केंद्र सरकार डाल रही है? यही वजह है कि आज हम लोगों ने धरने पर बैठने का कार्यक्रम बनाया। जब विशेष राज्य का दर्जा केंद्र ने कह दिया कि हम नहीं देंगे तो जेडीयू के लोग ताली बजा रहे थे। पूछिए उनसे कि विशेष राज्य का दर्जा मिलेगा या नहीं मिलेगा? तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि इसी 17 महीने में हमने जातीय गणना कराई, इसी 17 महीने में हमने आरक्षण का दायरा बढ़ाया, इसी 17 महीने में हमने 5 लाख लोगों को नौकरी का वादा किया था, 3 लाख को दिया।हमने आईटी पॉलिसी बनाई, हमने खेल नीति बनाई। आगे उन्होंने कहा कि जेडीयू के लोगों को चौलेंज करता हूं पूछिए उनसे विशेष राज्य के दर्जे पर क्यों नहीं उनकी जुबान खुल रही है। आरक्षण बढ़ाने का मामला आप ही लोग करवाइए। केंद्र में आप पूरी तरह से पावर में हैं और विशेष राज्य का दर्जा बिहार को दिलवाइए।

राज्य की सबसे शक्तिशाली महिला राजनेताओं में शुमार महबूबा

जम्मू, एजेंसी। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर की पहली महिला मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती राज्य की सबसे दमदार राजनेताओं में से एक है। महबूबा मुफ्ती के पिता मुफ्ती मोहम्मद सईद के बाद जम्मू कश्मीर पीपल डेमोक्रेटिक पार्टी ने बतौर नए उम्मीदवार के रूप में महबूबा मुफ्ती के नाम का चयन किया था। भाजपा संग हुए गठबंधन के दौरान महबूबा मुफ्ती बतौर मुख्यमंत्री चुनी गई थीं। बता दें कि साल 2016 से 2018 तक महबूबा मुफ्ती जम्मू कश्मीर की मुख्यमंत्री रहीं। साल 2018 में गठबंधन टूट जाने के बाद राज्य में सरकार गिर गई। महबूबा मुफ्ती का जन्म 22 मई 1959 को जम्मू कश्मीर में अनंतनाग जिले में हुआ था। उनके पिता का नाम मोहम्मद मुफ्ती सैयद था और माता गुलशन नजीर है। महबूबा मुफ्ती एक राजनीतिक परिवार से आती हैं, उनके पिता मोहम्मद मुफ्ती देश के गृह मंत्री रह चुके थे, साथ ही जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री भी थे। साल 1989 में आतंकवादियों ने एक एयरप्लेन का हाइजैक कर लिया था। यात्रियों के बदले एक कुख्यात

आतंकी को रिहा करने की मांग की गई थी। उन यात्रियों में महबूबा मुफ्ती की बहन रुबिया भी शामिल थीं। यह उन दिनों की बात है, जब मोहम्मद मुफ्ती सैयद देश के गृहमंत्री थे। राजनीतिक परिवार से आने वाली महबूबा मुफ्ती ने अपनी शिक्षा कश्मीर यूनिवर्सिटी से पूरी की। उन्होंने कश्मीर विश्वविद्यालय से एलएलबी की डिग्री हासिल की। बाद में पिता के निधन के बाद उन्होंने पिता की राजनीतिक पार्टी पीडीपी को संभाला। सक्रिय राजनीति में आने से पहले महबूबा मुफ्ती ने पति से तलाक ले लिया था। उस समय महबूबा की दो बेटियां थीं, जिनका नाम इल्तिजा, इर्तिका है। महबूबा मुफ्ती ने अपनी राजनीतिक करियर कांग्रेस पार्टी के साथ शुरुआत की थी। साल 1996 में उन्होंने कांग्रेस के टिकट पर बिजबेहर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ीं और जीत दर्ज की। साल 1999 में उन्होंने श्रीनगर से सांसद का चुनाव लड़ा लेकिन उमर अबदुल्ला से उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

कांग्रेस पार्टी से विवाद होने के बाद उन्होंने कांग्रेस से किनारा कर पीडीपी का गठन किया। साल 2002 में राज्यसभा चुनाव के दौरान उन्होंने पहलगाम सीट से चुनाव जीता और अनंतनाग सीट से लोकसभा चुनाव के दौरान उन्होंने 2004 और 2014 में जीत दर्ज की थी। इसके बाद साल 2016 में भाजपा संग पीडीपी के हुए गठबंधन में उन्हें बतौर मुख्यमंत्री चुना गया था। हालांकि साल 2018 में पीडीपी और भाजपा का गठबंधन टूट गया और राज्य में सरकार गिर गई।

अपने कार्यकाल में एक लाख नौकरी देने का वादा पूरा किया – सीएम हिमंत

गुवाहाटी, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सरकारी नौकरी में भर्ती को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने सोमवार को कहा कि उनके कार्यकाल के दौरान एक लाख से अधिक भर्तियां हुई हैं। सरमा ने कहा कि आजादी के बाद से किसी भी सरकार ने अपने शासनकाल के दौरान इतने युवाओं को नौकरियां नहीं दीं हैं। वे संविदा शिक्षकों और राज्य पूल शिक्षकों को स्थायी नियुक्ति पत्र वितरण के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। अपने संबोधन के दौरान सरमा ने एलान किया कि उनकी सरकार अगले साल तक 50,000 और युवाओं को नौकरी देगी। ये भर्ती शिक्षा और पुलिस जैसे विभागों में होगी। उन्होंने कहा कि सभी नई नियुक्तियां राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) का हिस्सा होंगी, जो अप्रैल 2025 से स्वचालित रूप से एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) बन जाएगी। उन्होंने कहा कि आज की नियुक्तियों से पहले हमने 1,00,389 युवाओं को नौकरियां दी हैं। उन्होंने कहा कि हमने एक लाख नौकरियां देने का अपना वादा पूरा किया है। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि हम भविष्य में इस तरह के और मील के पत्थर हासिल करेंगे। बता दें कि भाजपा ने 2021 में हुए राज्य विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान असम में हर साल एक लाख सरकारी नौकरियां देने का वादा किया था। हालांकि बाद में उन्होंने अपना बात से पीछे हटते हुए कहा कि यह आंकड़ा पूरे पांच साल के कार्यकाल के लिए था।

सीएम केजरीवाल और आतिशी को हाई कोर्ट से झटका, मानहानि का मामला रद्द करने से इनकार किया इनकार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को मतदाता सूची से मतदाताओं के नाम कथित तौर पर हटाने पर उनकी टिप्पणियों पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आतिशी, सुशील कुमार गुप्ता और मनोज कुमार सहित आम आदमी पार्टी के अन्य सदस्यों के खिलाफ मानहानि की कार्यवाही को रद्द करने से इनकार कर दिया। सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने कहा कि दिल्ली में मतदाता सूची से कथित तौर पर नाम हटाने पर उनकी टिप्पणी श्प्रथम दृष्टया मानहानिकारकश है। और यह बदनाम करने के लिए कि नामों को हटाने के लिए भाजपा जिम्मेदार है। न्यायमूर्ति अनूप कुमार मेंदीरत्ता की पीठ ने आप नेताओं के इस बचाव को भी खारिज कर दिया कि उनकी टिप्पणियाँ सच्चाईपूर्ण थीं और सार्वजनिक भलाई के लिए की गई थीं, यह कहते हुए कि मुकदमे के दौरान इसे साबित करने की आवश्यकता है। उच्च न्यायालय ने पाया कि मतदाता सूची के संबंध में टिप्पणियाँ आप नेताओं द्वारा राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए की गई थीं, और केजरीवाल और अन्य आप नेताओं को मानहानि के अपराध के लिए तलब करने के ट्रायल कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा। उच्च न्यायालय ने 28 फरवरी, 2020 को ट्रायल कोर्ट के समक्ष कार्यवाही पर रोक लगा दी थी, अंतरिम आदेश को रद्द कर दिया और पक्षों को 3 अक्टूबर को ट्रायल कोर्ट के सामने पेश होने के लिए कहा। केजरीवाल और तीन अन्य आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार गुप्ता और पार्टी नेता मनोज कुमार और आतिशी एक सत्र अदालत के आदेश को चुनौती दी थी।

दिवाली के बाद सिर्फ महायुति गठबंधन ही पटाखे जलाएगा - एकनाथ शिंदे

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आगामी राज्य विधानसभा चुनाव में जीत का दावा करते हुए कहा कि दिवाली के बाद सिर्फ महायुति गठबंधन ही पटाखे जलाएगा। अपने गृह नगर ठाणे में रविवार देर रात को एक जनसभा को संबोधित करते हुए शिंदे ने अपने गुरु आनंद दीघे और शिवसेना संस्थापक बाल ठाकरे को विनम्र श्रद्धांजलि दी। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनके नेतृत्व वाली शिवसेना दीघे और ठाकरे की सीख और सिद्धांतों का पालन करती रहेगी। शिंदे ने वहां मौजूद दर्शकों से पूछा, ''क्या आप महायुति सरकार द्वारा शुरू की गई सारी योजनाओं और कार्यक्रमों को जारी रखना चाहते हैं ? इस पर लोगों ने हां में जवाब दिया। आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में शिवसेना, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उप मुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नीत सत्तारूढ़ 'महायुति' या महागठबंधन की उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी), शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा (एसपी) और कांग्रेस के महाराष्ट्र विकास आघाडी गठबंधन के साथ कांटे का मुकाबला होने की संभावना है। राज्य में अक्टूबर–नवंबर में चुनाव होने वाले हैं। राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों का जिक्र करते हुए शिंदे ने कहा, ''उन्हें गलियों या दिल्ली जाने दीजिए। उन्हें महत्व मत दीजिए। हम अपना काम जारी रखेंगे।'' उन्होंने हालिया लोकसभा चुनाव में ठाणे सीट से शिवसेना नेता नरेश म्हास्के को उतारने के अपने फैसले का जिक्र करते हुए कहा कि इस कदम का कुछ लोगों ने विरोध किया लेकिन म्हास्के ने इस सीट से जीत दर्ज की। अपने विरोधियों पर कटाक्ष करते हुए शिंदे ने दावा किया कि उनके विरोधी

लगातार उन्हीं पर ध्यान केंद्रित किए हुए हैं। उन्होंने कहा, ''जिस तरह से राजाराम प्रथम के शासनकाल के दौरान मुगल सेनाओं का मुकाबला करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए मशहूर संताजी और धनाजी उनके दुश्मनों ने पानी में हर जगह दिखाई देते थे, उसी तरह वे एकनाथ शिंदे को हर जगह देखते हैं।'' उन्होंने कहा कि जब तक लोगों का समर्थन उनके साथ है, तब तक वे आलोचनाओं से घबराने वाले नहीं हैं। शिंदे ने अपनी सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं का जिक्र किया और कहा कि महाराष्ट्र में हर परिवार की खुशहाली सुनिश्चित करने के लिए इन योजनाओं को शुरू किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''महाराष्ट्र पहला राज्य है जिसने शिक्षित युवाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम और उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता की पेशकश की है।'' उन्होंने एक परिवार की मदद के दौरान मार्मिक क्षण का भी जिक्र किया। शिंदे ने कहा, ''मुझे आधी रात को पता चला कि एक लड़की ने आत्महत्या कर ली है क्योंकि उसके माता पिता उनकी शिक्षा का शुल्क वहन नहीं कर सकते थे। देर रात करीब दो बजे मैंने उच्च शिक्षा की पढ़ाई करने वाली सभी लड़कियों का शुल्क माफ करने का फैसला किया।'' महिलाओं के खातों में नकद हस्तांतरण की ''लाडकी बहिन'' योजना का जिक्र करते हुए शिंदे ने कहा।

संपादकीय

महिला विरोधी अपराध बढ़ रहे

बंकिम चंद्र की शस्य श्यामला माटी वाला पश्चिम बंगाल शक्ति पूजक समाज है। शरद ऋतु के स्वागत के साथ बंगाल की धरती दुर्गा के स्वागत में हर साल विभोर होती रही है। बंगाल में महिलाओं का सम्मान की कैसी परंपरा है, इसे समझने के लिए दुर्गा पूजा के विधान को समझना चाहिए। जहां मूर्ति बनाने के लिए उन वेश्याओं के घर से पहली मिट्टी लाई जाती है, जिन्हें आम तौर पर समाज त्याज्य और गंदा मानता है। बंगाल की धरती कैसी नारी पूजक रही है, किस तरह वह नारियों का सम्मान करती रही है, इसके उदाहरण आजादी के आंदोलन के इतिहास में जैसे मिलते हैं, अन्य राज्यों में कम। स्वाधीनता संग्राम में जिन तीन महिलाओं ने आगे बढ़कर हिस्सा लिया और अपने ज्ञान और संघर्ष से भारत को आलोकित किया, वे तीनों बंगाल की बेटियां थी। पहली थीं अरूणा गांगुली, जो बाद में अरूणा आसफ अली बनीं, दूसरी थीं सुचेता मजूमदार जो बाद में सुचेता कृपलानी के नाम से प्रसिद्ध हुईं। तीसरीं थीं सरोजिनी चट्टोपाध्याय जो बाद में भारत कोकिला सरोजिनी नायडू बनीं। बंगाल की माटी नारी की कितना सम्मान करती रही है, उसका एक और उदाहरण कमला देवी चट्टोपाध्याय भी रहीं। जब भारत के अन्य इलाकों की महिलाएं घूंघट के पीछे सिर्फ परिवार के कोल्हू में पिस रहीं थीं, तब बंगाल ने अपनी बेटियों को वाजिब सम्मान दिया और उन्हें आगे बढ़ाया। उस बंगाल में कभी महिलाओं के साथ बदसलूकी की कल्पना तक नहीं की जाती थी। वहां अब हालात कैसे बदल गए हैं, इसका अंदाजा लगाने के लिए राधागोविंद कर अस्पताल में हुई घटना को उदाहरण के रूप में लिया जा सकता है।

समूचा देश अपनी आजादी की 77 वीं सालगिरह के जश्न में थककर पंद्रह अगस्त की रात जब मीठी नींद के आगोश में था, भद्रलोक की राजधानी कोलकाता के राधा गोविंद कर यानी आरजी कर अस्पताल में जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर की बर्बरता पूर्वक रेप के बाद हत्या कर दी गई। बंगाल में देर रात तक दफ्तर से लौटने वाली लड़कियों की कभी घरवाले चिंता तक नहीं करते थे, अब वे परेशान हो उठे हैं। बंगाल के लोग अपनी बच्चियों के लिए चिंतित हो उठे हैं। बंगाल की धरती पर शायद यह पहली ऐसी घटना है, जिसमें किसी महिला के साथ ऐसी बर्बरता की गई है। इससे शक्तिपूजक बंगाली समाज का क्रोध और क्षोभ से भरना स्वाभाविक है। दिलचस्प यह है कि पश्चिम बंगाल इकलौता ऐसा राज्य है, जिसे महिला मुख्यमंत्री का गौरव हासिल है। महिला के राज में किसी महिला के साथ ऐसा दुराचार लोगों के गले आसानी से नहीं उतर रहा। इसलिए बंगाल इन दिनों खौल रहा है। बंगाल के चुनिंदा बुद्धिजीवियों को छोड़ दें तो समूचा बौद्धिक समाज सड़कों पर उतर आया है। जो चुप हैं या व्यवस्था की तरफदारी कर रहे हैं, वे सत्ताधारी पार्टी के साथ हैं, सांसद या किसी अन्य पद पर हैं। अभी बहुत दिन नहीं हुआ, जब पश्चिम बंगाल के संदेशखाली से भी महिलाओं से बलात्कार की खबरें सामने आईं थीं। वहां की घटना की जब परतें खुलने लगीं तो पता चला कि रेप की घटनाएं अपराध और राजनीति के नापाक गठजोड़ का नतीजा हैं। संदेशखाली को लेकर बंगाली समाज में उबाल तो आया, लेकिन वैसा नहीं, जैसा आरजी कर अस्पताल की दुराचार के बाद दिख रहा है। शायद संदेशखाली की पीड़ितिाएं ग्रामीण इलाकों की हैं, जबकि आरजी कर की घटना उस कोलकाता शहर की है, जिसे भद्रलोक समाज के लिए जाना जाता है। पश्चिम बंगाल की कड़वी सच्चाई बांग्लादेश से हो रही अवैध घुसपैठ। अवैध घुसपैठियों के समर्थन में बीजेपी छोड़ तकरीबन समूचा बंगाली राजनीति है। 34 साल के वामपंथी शासन के दौरान इस घुसपैठ को वैधता मिली। वामपंथी शासन व्यवस्था के दौरान पार्टी कैडर के नाम पर बड़ा झुंड उभरा। सरकार पर संगठन का नियंत्रण होना चाहिए, लोकतांत्रिक व्यवस्था में इसे स्वीकार किया जा सकता है। लेकिन संगठन की ओर से समानांतर व्यवस्था चलाना और शासन में हर स्तर पर हस्तक्षेप शासन की निष्पक्षता को तो खत्म करता ही है, शासन को पंगु भी बना देता है। प्रांत से लेकर ब्लॉक स्तर तक स्थापित वामपंथी व्यवस्था ने ऊपर से नीचे तक प्रशासन को अपना गुलाम बनाने में कामयाब रहा। प्रशासन और समानांतर पार्टी व्यवस्था ने मिलकर अपराध और राजनीति का मजबूत गठजोड़ बनाया। इस गठजोड़ में पैसा था, पॉवर था, ताकत थी। नीचे से मिले पैसे उपर तक पहुंचते रहे। जनता ठगी जाती रही है। पश्चिम बंगाल का समाज उस संस्थानिक व्यवस्था से इतना परेशान था कि संघर्षशील ममता बनर्जी में नई उम्मीद दिखी। बंगाली समाज को लगा कि संघर्षशील ममता नई बयार बनकर पश्चिम बंगाल की व्यवस्था में जमी काई को साफ कर देगी। उन्हें उम्मीद थी कि ममता अपने राजनीतिक औजारों से बंगाल की व्यस्था में जमे नासूर को साफ कर देंगी। लेकिन अफसोस ऐसा नहीं हुआ। ममता भी उसी कदम पर चल पड़ी। निचले स्तर पर जो वामपंथी कैडर था, वह ममता का कार्यकर्ता बन गया। अवैध घुसपैठ बनती रही। घुसपैठियों या पूर्वी बंगाल के लोगों को पश्चिम बंगाल को लोग बांगाल बोलते हैं। कहने का मतलब यह है कि बांगाल के हवाले होती रही राजनीति और सीमा के पार तक के अल्पसंख्यक तुष्टिकरण से प्रशासन लगातार या तो पंगु होता गया या फिर सत्ताधारी तंत्र का चारण बनता गया। प्रशासन का यह चारण रूप 16 अगस्त को भी दिखा, जब आरजी कर की पीड़िता की रिपोर्ट साढ़े ग्यारह बजे रात को दर्ज की गई।

भारत में बेहतर गठबंधन संस्कृति की ओर बढ़ना

आदित्य

भारत में गठबंधन की राजनीति इसकी संवैधानिक राजनीति के बहुत करीब है। संविधान की राजनीति मोटे तौर पर दो काम करती है। पहला, यह कार्यकारी और विधायी कार्यों में बहु संख्यकवाद के हमले को सीमित करती है। दूसरा, यह सरकार को अपने संस्थानों के माध्यम से लोगों के लिए बेहतर नीतियां बनाने और लागू करने में सक्षम बनाती है। पूर्ण बहुमत वाली एकदलीय सरकारें अक्सर आक्रामक कार्यकारी कार्रवाइयां जवाहरलाल नेहरू ने केरल में निर्वाचित कम्युनिस्ट सरकार को गिराने के लिए अनुच्छेद 356 का इस्तेमाल किया और इंदिरा गांधी ने सत्ता में बने रहने के लिए आपातकाल की घोषणा करने के लिए अनुच्छेद 352 का दुरुपयोग किया। विधायी दुरुपयोग काफी व्यापक था। संविधान में पहला संशोधन, जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कम करने की कोशिश करता था, संसद द्वारा एक असहिष्णु इशारा था। मोदी युग की विशेषता ट्रिपल तलाक को दंडनीय बनाने से लेकर नागरिकता संशोधन अधिनियम तक कई अधिनियमों की श्रृंखला है, जो सभी बहु संख्यकवाद के पक्ष में हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि 4 नवंबर, 1948 को संविधान सभा में बी आर अंबेडकर की चेतावनी कि ष्बहुसंख्यकों को अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव न करने का अपना कर्तव्य समझना चाहिएष् को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया गया। लेकिन ऐसे कई उदाहरण हैं, जहां मोदी 3.0 को रोल–बैक मोड में देखा गया है, जो कार्यकारी और विधायी क्षेत्र में सकारात्मक और स्वस्थ बदलाव का संकेत देता है। इसने वक्फ विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति में चर्चा के लिए भेजा। एनडीए में कुछ गठबंधन दलों ने सार्वजनिक रूप से विधेयक के बारे में अपनी आपत्तियां व्यक्त कीं। केंद्र ने ब्रॉडकास्ट बिल के मसौदे को भी स्थगित रखा। सांप्रदायिक आरक्षण के मानदंडों का पालन किए बिना पार्श्व प्रवेश के माध्यम से कुछ पदों पर भर्ती के लिए अधिसूचना वापस ले ली गई। इंडेक्सेशन पर बजट घोषणा में भी बदलाव किया गया। ये घटनाक्रम पिछली सरकार के फैसलों से बिल्कुल अलग हैं, जिसमें नोटबंदी से लेकर महामारी के दौरान लॉकडाउन की घोषणा शामिल है। संविधान का अनुच्छेद 75, जो केंद्रीय मंत्रिमंडल के बारे में बात करता है, इस बात पर जोर देता है कि ष्मंत्रिपरिषद सामूहिक रूप से लोगों के सदन के प्रति उत्तरदायी होगीष्। जोर सामूहिक रूप से कैबिनेट पर है, न कि प्रधानमंत्री या किसी अन्य मंत्री पर। फिर से, कैबिनेट की जवाबदेही बड़े पैमाने पर लोगों के प्रति है। कर्नाटक राज्य बनाम भारत संघ (1977) में, सर्वोच्च न्यायालय ने माना कि इस प्रावधान का उद्देश्य मंत्रिमंडल के प्रत्येक कार्य या चूक के लिए मंत्री पद पर आसीन व्यक्तियों के पूरे समूह को उत्तरदायी बनाना है। गठबंधन सरकार में, मंत्रिमंडल कार्यात्मक स्तर पर एक बहुलवादी इकाई होती है। यह विचारधाराओं, राजनीतिक दृष्टिकोणों और नीतियों के इंद्रधनुष को दर्शाता है। इस प्रकार, हालांकि संविधान निरंकुश सरकार की अवधारणा को नकारता है, व्यवहार में, केंद्र में गठबंधन इसकी योजना के लिए अधिक उपयुक्त है। राज्य स्तर पर भी निरंकुशता हो सकती है, जैसा कि वर्तमान पश्चिम बंगाल सरकार ने भरपूर तरीके से प्रदर्शित किया है। जिस तरह से एक मेडिकल प्रशिक्षु की भयानक हत्या और उसके बाद के आंदोलन से राज्य ने निपटा, वह अपने आप में बहुत कुछ कहता है। अनुच्छेद 164 में सामूहिक जिम्मेदारी खंड को शामिल करके राज्यों में

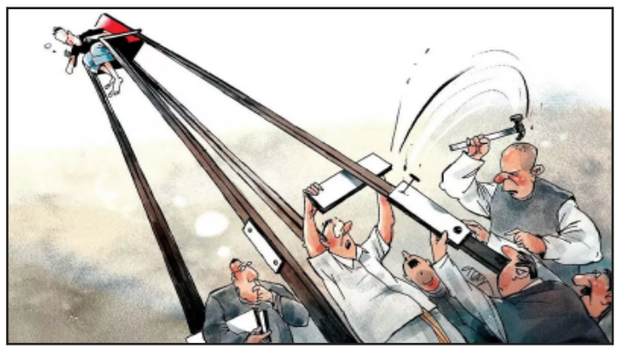

कार्यकारी निर्णय लेने की प्रक्रिया में भी बहुलता की परिकल्पना की गई है। लेकिन एक पार्टी के लिए पूर्ण बहुमत इस महत्वाकांक्षी प्रावधान को विफल करने की क्षमता रखता है। राज्यों में गठबंधन सरकारें कम से कम कम से कम कम आक्रामक रही हैं। राजनीतिक वैज्ञानिक एरेन्ड लिजफर्ट ने अपनी प्रसिद्ध रचना, पैटर्न्स ऑफ डेमोक्रेसी में लोकतंत्र के बहुमत और सर्वसम्मति मॉडल के बीच अंतर किया है। वह संकेत देते हैं कि जहां एकल–पार्टी बहुमत वाले मंत्रिमंडलों में कार्यकारी शक्ति का संकेन्द्रण होता हैष् वहीं ष्यापक बहुदलीय गठबंधनों में कार्यकारी शक्ति साझाकरणष् होता है। साथ ही, वह दिखाते हैं कि पूर्व में, विधायिका के साथ अपने संबंधों में कार्यपालिका का प्रभुत्व होता है। वह पूर्व के एकात्मक आयामों और बाद की संघीय संभावनाओं के बारे में भी बताते हैं। कई पश्चिमी यूरोपीय लोकतंत्रों में प्रचलित आनुपातिक प्रतिनिधित्व ने फलदायी गठबंधन सरकारों को सुविधाजनक बनाया। लेकिन हमारे जैसे फर्स्ट–पास्ट–द–पोस्ट सिस्टम में, गठबंधन अक्सर पसंद का विषय नहीं होता है। फिर भी, उन्होंने सकारात्मक परिणाम दिए। हालाँकि 1970 के दशक के उत्तरार्ध से लेकर 1999 तक, हमारे पास नाजुक और अस्थिर गठबंधन थे, उसके बाद स्थितियाँ बेहतर के लिए बदल गईं। 1999 की वाजपेयी सरकार ने अपने श्मंत्रियों के समूहश के साथ नीतिगत मामलों को समावेशिता की भावना के साथ तय किया, जो मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा एक अलग तरीके से अपनाया गया तरीका था। सोनिया गांधी की राष्ट्रीय सलाहकार परिषद, हालांकि एक असंवैधानिक व्यवस्था थी, लेकिन इसने शासन में समायोजन की प्रक्रिया को सक्षम बनाया। रिपोर्ट्स से पता चलता है कि 1999–2009 के दौरान गठबंधन सरकारों ने स्वतंत्रता के बाद सबसे तेज आर्थिक विकास किया। केंद्र–राज्य संबंधों में भारी सुधार हुआ। सरकार गरीबों और आम आदमी के ज़्यादा करीब हो गई। यूपीए सरकारों ने सूचना का अधिकार अधिनियम, शिक्षा का अधिकार अधिनियम, खाद्य सुरक्षा अधिनियम, स्ट्रीट वेंडर्स के संरक्षण के लिए कानून आदि जैसे प्रगतिशील कानूनों की एक श्रृंखला को लागू करने के लिए विधायी शक्ति का इस्तेमाल किया।

राजनीति, झूठ और नागरिक अपेक्षाओं

विनोद

मैं एक शाम टीवी पर समाचार देख रहा था, तभी कोच्चि से कुछ दोस्त आए। पति बालाकृष्णन उर्फ बाला ने बताया, हम कोल्लूर में मूकाम्बिका मंदिर जा रहे हैं। हम ट्रैफिक में फंस गए हैं और आज रात मंदिर बंद होने से पहले हम वहां नहीं पहुंच पाएंगे, इसलिए हमने सोचा कि हम आपसे मिल लें। अच्छा, मैंने कहा। अगर आपको रात में गाड़ी चलाने में कोई परेशानी न हो तो यहीं खा लें। जरूर, उन्होंने कहा, लेकिन मैं शराब नहीं पीऊंगा क्योंकि यहां से तीन घंटे और लगेंगे। आप पहले से ही थके हुए हैं, उनकी पत्नी कामिनी ने कहा, और आप यहां तक का ज़्यादातर रास्ता गाड़ी चलाकर आए हैं। इसलिए आप आराम करें और चाहें तो कुछ पी लें, और मैं यहां से गाड़ी चलाकर आऊंगी। ष्आप दोनों आराम क्यों नहीं करते? मैंने पूछा। मैं आपके लिए एक ड्राइवर खोजने की कोशिश करूंगी जो आपको बाकी रास्ता ले जाएगा। कोई भरोसेमंद ड्राइवर? कामिनी ने पूछा। हां, मैंने कहा। देखता हूं कि वह खाली है या नहीं। ड्राइवर स्वतंत्र और इच्छुक था, इसलिए बाला और कामिनी ने आराम करने का फैसला किया। वे दोनों प्रोफेसर हैं, व्यापक रूप से यात्रा कर चुके हैं और अच्छी तरह से शिक्षित हैं, और राजनीति पर उनकी राय अलग–अलग है। मुझे उन्हें बहस करते हुए देखना अच्छा लगता है, और अफसोस है कि मेरे पास न तो बुद्धि है और न ही विवेक है कि मैं इसमें शामिल हो सकूँ। बातचीत अनिवार्य रूप से बांग्लादेश में अशांति पर आ गई। कामिनी ने कहा, ष्यह मूल रूप से एक इस्लामवादी अधिग्रहण है, जिसमें चीनी और पाकिस्तानी इसका समर्थन कर रहे हैं और अमेरिकी भगवान जाने क्या कर रहे हैं। गैर–मुस्लिम संकट में हैं। आप ऐसा कैसे कह सकते हैं? बाला ने पूछा। जानते हैं कि शेख हसीना डेढ़ दशक से सत्ता में हैं, और आप जानते हैं कि वह कितनी निरंकुश हैं, और आप जानते हैं कि उन्होंने चुनाव प्रक्रिया को कैसे बाधित किया हो सकता है। मुझे कोई और तरीका नहीं दिखता जिससे वह इतने लंबे समय तक सत्ता में रह सकती थीं।दरवाजे की घंटी बजी, और मूर्ति दरवाजे पर हाथ में बोतल लिए खड़े थे। ष्मेरे पास कुछ समय है, उन्होंने बोतल को आगे बढ़ाते हुए कहा। ष्मैंने सोचा कि मैं कुछ समय आपके साथ बिताऊँ। एक जोड़ा पहले से ही यहाँ है, मैंने कहा, उसे अंदर ले जाते हुए। कोच्चि से पुराने दोस्त। जब मैंने उनका परिचय कराया, तो उनमें से किसी को भी कोई आपत्ति नहीं हुई, और वे तीनों मेज के चारों ओर अपनी जगह पर बैठ गए। हम बांग्लादेश की स्थिति पर चर्चा कर रहे थे, मैंने माफी मांगते हुए कहा, क्योंकि मूर्ति घरेलू राजनीति के अलावा ज़्यादा कुछ नहीं बोलते। मुझे इस बारे में ज़्यादा जानकारी नहीं है, मूर्ति ने खुद को एक बड़ा गिलास भरते हुए कहा, लेकिन मैं सुनकर खुश हूँ। हसीना ने चुनावों में धांधली की हो सकती है, कामिनी ने कहा, लेकिन दंगा करना आपकी सरकार को गिराने का उतना ही अवैध तरीका है जितना कि सैन्य तख्तापलट। इसके अलावा, यूनुस खुद भी शायद झूठा और बदमाश है, क्योंकि सत्ता संभालने के बाद उसने जो पहला काम किया, वह था अपने ऊपर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को वापस लेना। बाला ने कहा, ष्हसीना की सरकार लोकतंत्र से बहुत दूर थी, और यही उन्होंने चुनावों के दौरान वादा किया था। उन्होंने झूठ बोला... लेकिन जब हम इन मामलों का आकलन करते हैं, तो हमें बारीकियों पर विचार करना चाहिए।ष "अतिसूक्ष्मता से आपका क्या मतलब है?" कामिनी ने पूछा। "बांग्लादेश में सभी इस्लामवादी नहीं हैं," बाला ने जवाब दिया। "युवा, ज़्यादातर छात्र, स्वतंत्रता सेनानियों के बच्चों के लिए आरक्षित नौकरियों से नाराज हैं। 1971 उनके लिए पुराना इतिहास है। इसलिए उनके पास कुछ सरकारी नौकरियों के लिए प्रयास करने या जीवन भर के लिए एक पसीने की दुकान में काम करने के बीच एक विकल्प है। और फिर वे लोग हैं जिन्हें हसीना ने जेल में डाल दिया, या गायब हो गईं। इसलिए विद्रोही जिन लोगों के पीछे हैं वे हसीना के समर्थक हैं, हिंदू या अन्य अल्पसंख्यक नहीं। और, जाहिर है, वे भारत में मुसलमानों के उत्पीड़न को उकसावे के रूप में देखते हैं।" "मुझे यह समझने दें," कामिनी ने कहा। "आप कह रहे हैं कि बांग्लादेश में सभी तरह के लोग हैं, जैसे कि हर जगह हैं, इसलिए हमें उनके बारे में कठोर निर्णय नहीं लेना चाहिए।" "ठीक है," बाला ने कहा। "चलो थोड़ा पीछे चलते हैं," कामिनी ने कहा। "नाजी जर्मनी। वहाँ सभी तरह के जर्मन थे, है न? हिटलर के खिलाफ लोग, जो लोग उसकी आर्य बकवास पर विश्वास नहीं करते थे, वगैरह, है न?" "बेशक," बाला ने कहा। ष्तो मुद्दा यह है, कामिनी ने कहा। किसी समय, हिटलर को इतना भरोसा हो गया था कि वह बाकी यूरोप पर कब्जा कर सकता है और पोलैंड पर हमला कर सकता है। इससे द्वितीय विश्व युद्ध हुआ। किसी समय, तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान में अत्याचारों के कारण 1971 का युद्ध हुआ। तो वह कौन सा बिंदु था जब हमें लगता था कि हस्तक्षेप उचित है? मरने वालों की संख्या?

शरणार्थियों की संख्या? संधि का निरस्त होना? जनता की भावना? सामूहिक विनाश के हथियारों के झूठे सबूत? उनकी आवाजें बढ़ रही थीं और मूर्ति ने अपनी दो बातें कहने का फैसला किया। बस आपको यह बताने के लिए, उन्होंने कहा, कोई भी व्यक्ति अपने आख्यान में बुरा नहीं होता। तो क्या? कामिनी ने पूछा। तो हर कोई झूठ बोलता है, मूर्ति ने कहा। विकीलीक्स को देखो। अब हम जानते हैं कि इराक युद्ध में क्या झूठ बोला गया था। और 1971 के युद्ध के बारे में पाकिस्तान और अमेरिका ने क्या झूठ बोला था। नेता झूठ बोलते हैं। यह लोकतंत्र का एक हिस्सा है। क्या! बाला और कामिनी ने एक साथ पूछा। आप मजाक कर रहे हैं।

भारत में बिजली गिरने से होने वाली मौतों में वृद्धि

ललित

आदिमानव वज्रपात से डरता था कृ उसके वंशज, आधुनिक मनुष्य के पास बिजली से भयभीत रहने के कारण हैं। भारत के राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आँकड़ों को एकत्रित करने वाले एक हालिया अध्ययन में भारत में बिजली गिरने से होने वाली मौतों में आश्चर्यजनक वृद्धि पाई गई है। ओडिशा के बालासोर में फकीर मोहन विश्वविद्यालय द्वारा किए गए शोध से पता चला है कि 1967 और 2020 के बीच दर्ज 1,01,309 मौतों में से लगभग एक–तिहाई मौतें – 29,804 कृ 2010 और 2020 के बीच हुईंरू इस प्रकार ये आँकड़े बिजली गिरने से होने वाली मौतों में वृद्धि का संकेत देते हैं। इसके अलावा, औसत वार्षिक मृत्यु दर लगभग चार गुना बढ़ गई है। इस घटना के परिणामस्वरूप हर साल लगभग 1,900 भारतीय मारे जाते हैंय पिछले साल, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने औसत आंकड़ा 2,500 से कम नहीं दर्ज किया था। मध्य और पूर्वोत्तर भारत में सबसे अधिक मौतें दर्ज की गईं बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ में बिजली गिरने से होने वाली कुल मौतों में से 50: मौतें होती हैं। वैज्ञानिकों ने इस असमान लेकिन तेज वृद्धि के लिए चरम मौसम की स्थिति और पर्यावरणीय गिरावट को जिम्मेदार ठहराया है जो जलवायु परिवर्तन के प्रत्यक्ष परिणाम हैं। क्षेत्रीय स्थलाकृति में भिन्नता भी एक भूमिका निभाती हैरू मध्य भारत में खुले मैदानों का विस्तृत विस्तार इसे और अधिक असुरक्षित बनाता है। जाहिर है, सबसे बुरा समय अभी आना बाकी हैरू जलवायु परिवर्तन के बढ़ने के साथ बिजली गिरने की घटनाओं में वृद्धि होने की उम्मीद है, लाइटनिंग रेसिलिएंट इंडिया कैंपेन की 2021 की रिपोर्ट से पता चलता है कि अप्रैल 2020 और मार्च 2021 के बीच 18.5 मिलियन बिजली गिरने की घटनाएँ हुईं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 34: अधिक है। महत्वपूर्ण बात यह है कि एक अध्ययन में तर्क दिया गया है कि भारत और अन्य विकासशील देश बिजली गिरने की तुलना में बाढ़ और चक्रवात जैसी प्रतिकूल जलवायु परिवर्तन घटनाओं से निपटने के लिए बेहतर तरीके से सुसज्जित हैं। यह भारत की मौसम निगरानी प्रणाली में मौजूदा अपर्याप्तताओं के साथ–साथ बिजली गिरने से उत्पन्न जोखिमों को कम करने के लिए संस्थागत जड़ता की ओर इशारा करता है। उदाहरण के लिए, बिहार और बंगाल जैसे संवेदनशील राज्यों की ओर से बिजली गिरने को प्राकृतिक आपदा घोषित करने की मांग को अस्वीकार कर दिया गया है। हर राज्य सक्रिय नहीं हैरू ओडिशा सहित 29 राज्यों ने एनडीएमए के निर्देश का उल्लंघन करते हुए राज्य बिजली कार्रवाई योजना तैयार नहीं की है। संयोग से, संयुक्त राज्य अमेरिका में बिजली गिरने से होने वाली मौतों में लगातार गिरावट देखी जा रही है। शायद भारत के नीति नियोजकों के लिए अमेरिका की किताब से सबक लेने का मामला है। जागरूकता अभियान एक अन्य प्रासंगिक दुश्मन – बिजली गिरने के बारे में अज्ञानता – से निपटने में मदद कर सकते हैं – खासकर भारत के भीतरी इलाकों में।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को मजबूत करें

श्याम

भारत गंभीर जलवायु परिवर्तन का सामना कर रहा है, जिसमें वायु, जल और अपशिष्ट प्रदूषण ग्लोबल वार्मिंग में योगदान दे रहे हैं। बिजली के लिए कोयले, तेल और गैस पर भारी निर्भरता के कारण, हम दुनिया के तीसरे सबसे बड़े प्रदूषक हैं, जो हर साल वायुमंडल में 2.65 बिलियन टन से अधिक कार्बन छोड़ते हैं। वायु प्रदूषण के अलावा, हमारे जलमार्ग अत्यधिक दूषित हैं, जिससे अधिकांश सतही जल उपभोग के लिए अनुपयुक्त हो गया है। नदियों और झीलों में अवैध रूप से कचरा फेंकने से जलजनित बीमारियाँ हो रही हैं। भारत का अपशिष्ट प्रबंधन, विशेष रूप से प्लास्टिक प्रदूषण संकट, सबसे खराब में से एक है। देश ने अपने कुल वृक्ष आवरण का लगभग 19: खो दिया है, जो जलवायु परिवर्तन में योगदान देता है। नियम और अधिनियम पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (ब्ब्ठ) की स्थापना जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1974 द्वारा की गई थी। मई 1981 से, ब्ब्ठ वायु (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 के प्रावधानों के तहत वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए भी जिम्मेदार है। पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 का अधिनियमन पर्यावरण की रक्षा के उपायों को लागू करने के लिए छत्र कानून के रूप में कार्य करता है, और अधिनियम के तहत नियमों की विभिन्न अधिसूचनाओं ने केंद्रीय बोर्ड की गतिविधियों के दायरे का विस्तार किया है। राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (च्ब्ठ) और केंद्र शासित प्रदेशों में प्रदूषण नियंत्रण समितियाँ (च्ब्ब्) पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। हालाँकि, ये बोर्ड विभिन्न चुनौतियों जैसे कि बुनियादी ढाँचे की कमी, वित्तीय असुरक्षा, राज्य सरकारों से समर्थन की कमी,ैच्ठ के कामकाज में अपनाई गई विभिन्न प्रक्रियाओं और अप्रभावी निगरानी और प्रवर्तन के कारण अपने वैधानिक अधिदेश को प्रभावी ढंग से पूरा करने में विफल हो रहे हैं। खराब प्रदर्शन इसके अलावा, क्षेत्रीय कार्यालय निरीक्षण, जांच और सर्वेक्षणों से अभिभूत हैं, और शहरी या नगरपालिका क्षेत्रों में शोर नियंत्रण, सीवेज, ठोस अपशिष्ट के प्रबंधन और कार्यस्थल पर दक्षता और पारदर्शिता के लिए प्रौद्योगिकी के सीमित उपयोग से जुड़ी दीर्घकालिक विफलताएं रही हैं। इसके अतिरिक्त, एसपीसीबी के बारे में जनता की धारणा नकारात्मक है। हाल के वर्षों में, कई सर्वेक्षणों और रिपोर्टों से पता चला है कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना कर रहे हैं और उनका प्रदर्शन बहुत खराब है। समितियों और आयोगों ने एसपीसीबी के खराब प्रदर्शन के कई कारणों की पहचान की है और कई सुझाव दिए हैं। हालाँकि, इन सुझावों को सरकार द्वारा बड़े पैमाने पर अनदेखा किया गया है, जिससे वे प्रदूषण की समस्याओं से प्रभावी ढंग से निपटने में विफल रहे हैं। कर्मचारियों की कमी एसपीसीबीध पीसीसी के प्रदर्शन ऑडिट की 2020 की रिपोर्ट के अनुसार, ये बोर्ड कर्मचारियों की भारी कमी से जूझ रहे हैं, लगभग 46: पद खाली हैं। कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अत्यावश्यक मामलों को संबोधित करने वाले बहुत कम कर्मचारी हैं। केवल छह बोर्ड, अर्थात् अंडमान और निकोबार, अरुणाचल प्रदेश, दमन, दीव और दादरा और नगर हवेली, मिजोरम, नागालैंड और सिक्किम, ने सभी स्वीकृत पदों को भरा है। इसके अतिरिक्त, अरुणाचल प्रदेश, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, मध्य प्रदेश, मेघालय, पंजाब और सिक्किम जैसे कुछ बोर्डों में वैज्ञानिक और तकनीकी कर्मियों की तुलना में अधिक प्रशासनिक कर्मचारी हैं। प्रयोगशालाएँ विनियामक और अनुसंधान आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। हालाँकि, ऑडिट प्रक्रिया के दौरान, यह पाया गया कि राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों में छह केंद्रीय प्रयोगशालाओं को पर्यावरण प्रयोगशालाओं के रूप में वैध मान्यता प्राप्त थी, जबकि 13 एसपीसीबीध पीसीसी के पास परीक्षण और अनुसंधान उद्देश्यों के लिए अधिसूचित कोई कर्मचारी नहीं था। इसके अलावा, कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने राज्य–विशिष्ट पर्यावरण नीतियों को तैयार नहीं किया है या पर्यावरण स्थिति रिपोर्ट तैयार नहीं की है। जैव–चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 का अनुपालन यथोचित रूप से संतोषजनक है, लेकिन बैटरी प्रबंधन नियम, 2001 के लिए यह बहुत खराब है। तटीय जिलों में सीवेज और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के गंभीर मुद्दों के बावजूद तटीय जल का निगरानी नेटवर्क सीमित और व्यावहारिक रूप से महत्वहीन है। कई एसपीसीबी ने अपने कार्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए तकनीकी मार्गदर्शन और नियमित पेशेवर प्रशिक्षण की आवश्यकता व्यक्त की है। भौगोलिक और जलवायु परिस्थितियों के साथ–साथ नियमों के कार्यान्वयन के लिए अलग–अलग प्रक्रियाओं और प्रक्रियाओं के कारण उन्हें अपने काम में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। सरकारों को राष्ट्र के हित में पर्यावरण की रक्षा के लिए उचित कदम उठाने चाहिए। राज्य सरकारों को अपने संबंधित एसपीसीबी द्वारा आवश्यक कर्मचारियों की भर्ती की अनुमति देनी चाहिए। पीसीबीध समितियों के प्रभावी कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए, सरकार को बोर्डध्समितियों के सदस्यों के रूप में शिक्षाविदों, कानूनी पेशेवरों, स्वास्थ्य विशेषज्ञों और प्रौद्योगिकीविदों को शामिल करने जैसी कार्रवाई करनी चाहिए। उन्हें बहु–विषयक कर्मचारियों की नियुक्ति भी करनी चाहिए और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा तैयार कार्यक्रमों के अनुसार कर्मियों को प्रशिक्षण प्रदान करना चाहिए। सहयोग जरूरी जल और वायु गुणवत्ता निगरानी और प्रयोगशाला सुविधाओं को मजबूत और उन्नत करना भी महत्वपूर्ण है। बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए निर्णयकर्ताओं, सरकारों, लोगों और नागरिक समाजों सहित विभिन्न हितधारकों की भागीदारी आवश्यक है। देश की प्रदूषण समस्याओं के समाधान के लिए वन और जलवायु परिवर्तन, जल आपूर्ति और स्वच्छता, चिकित्सा और स्वास्थ्य, महिला और बाल विकास, पंचायत राज और ग्रामीण विकास, नगर प्रशासन और शहरी विकास जैसे सरकारी विभागों का अभिसरण और सहयोग आवश्यक है। प्रदूषण को रोकने के लिए लोगों की भागीदारी महत्वपूर्ण है और सरकार को इसे प्राप्त करने के लिए व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए।

अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट और दुर्गा सिटी एंड ट्रामा सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन संपन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट द्वारा जौनपुर के एक हाल में शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ने 15 शिक्षकों को सम्मानित किया गया।समारोह में सभी सम्मानित हुए शिक्षको स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष उर्वशी सिंह, कहा कि बच्चों का भविष्य गढ़ने के साथ–साथ उन्हें सामाजिक सरोकार से जोड़ने के लिए पूरी निष्ठा और लगन के साथ जुटे रहने वाले शिक्षकों का सम्मान वास्तव में शिक्षा के प्रति उनके समर्पण का सम्मान है। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र पर मुख्य अतिथि बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ गोरखनाथ पटेल विशिष्ट अतिथि डॉ आलोक यादव कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ स्वाति यादव, डॉ अजय दूबे द्वारा किया गया, तत्पश्चात ट्रस्ट अध्यक्ष उर्वशी सिंह ने स्वागत उद्बोधन से किया जिसमें उन्होंने ट्रस्ट द्वारा किए गए कार्यो की पूरी रुपरेखा सबके सामने रखा , उन्होंने कहा कि अध्यापक समाज का शिल्पकार, डॉ आलोक यादव ने कहा कि बच्चों में पैदा करें देशभक्ति की भावना , बच्चों का भविष्य गढ़ने के साथ–साथ उन्हें सामाजिक सरोकार से जोड़ने के लिए पूरी निष्ठा और लगन के साथ जुटे रहने वाले शिक्षकों का सम्मान वास्तव में शिक्षा के प्रति उनके समर्पण का सम्मान है।

उसके पश्चात शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए शिक्षक सम्मान से शिक्षको को सम्मानित किया गया,कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ गोरखनाथ पटेल ने कहा कि हमारी संस्कृति में माता पिता से बड़ा दर्जा गुरु का होता है इसलिए गुरु का सम्मान होता है, कार्यक्रम में मुख्य रूप से सम्मानित होने वाले शिक्षक डॉ अजय दूबे, डॉ माया सिंह,अनुपमा अग्रहरी, डॉ अल्केशवरी सिंह, शिवम सिंह, ज्योति श्रीवास्तव आशीष श्रीवास्तव अनु स्मृति श्रीवास्तव, राकेश सिंह, डॉ सुरेश त्रिपाठी, डॉ पूनम सिंह अर्चना सिंह कामना सिंह, नूपुर श्रीवास्तव, राहुल जायसवाल रहे! कार्यक्रम में डॉक्टर तेज सिंह को चिकित्सा समिति से जुड़ने के लिए पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया, कार्यक्रम का संचालन मीरा अग्रहरि ने किया आभार पूनम जायसवाल ने किया कार्यक्रम में मुख्य रूप से कनक सिंह सूरत सेठ राहुल प्रजापति अंकित गुप्ता आदित्य जायसवाल, दीपक श्रीवास्तव ज्ञानचंद गुप्ता मीना गुप्ता रीता जयसवाल बिट्टू किन्नर पिंटू गिरी सत्यम, शिवांगी खरे साधना मौर्या, शालिनी सेट डॉक्टर श्वेता गुप्ता विद्याधर राय, मसूद अहमद, बृजेश मिश्रा आदि परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने ऋषि चन्द्र यादव को दी नयी जिम्मेदारी

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने समाजवादी कुटिया के संस्थापक /संचालक ऋषि चन्द्र यादव एडवोकेट को नयी जिम्मेदारी सौंप दी जिसकी जानकारी होने पर कुटिया से जुड़े लोगों सहित श्री यादव के शुभचिन्तकों, परिचितों, अधिवक्ताओं एवं समाजवादी विचारधारा के लोगों ने ऋषि चन्द्र यादव को बधाई देते हुये पार्टी हाईकमान के इस निर्णय की सराहना किया। बता दें कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश और प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल की अनुमति पर समाजवादी अधिवक्ता सभा के प्रदेश अध्यक्ष सिकन्दर यादव एडवोकेट ने जनपद के धर्मापुर क्षेत्र के मोहिउद्दीनपुर गांव निवासी ऋषि चन्द्र यादव एडवोकेट को प्रदेश उपाध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद का दायित्व सौंपा। बता दें कि श्री यादव समाजवादी कुटिया के संस्थापकध संचालक के साथ जौनपुर दीवानी न्यायालय में बतौर अधिवक्ता सेवा दे रहे हैं। इसके अलावा वह पिछले कई वर्षों से समाजवादी पार्टी की सेवा कर रहे हैं।

जिलाधिकारी ने किया तहसील शाहाबाद का निरीक्षण, कानूनगो निलंबित

हरदोई(अंबरीष कुमार सक्सेना) आज जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने तहसील शाहाबाद का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सबसे पहले जिलाधिकारी ने परिसर में निर्माणाधीन पानी की टंकी को देखा। उन्होंने राजकीय निर्माण निगम के जेई को टंकी का निर्माण जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि टंकी के आस पास की सफाई करायी जाये। निर्माणाधीन तहसीलदार चौम्बर के निरीक्षण में उन्होंने गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखने व कार्य जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने भूलेख अनुभाग का निरीक्षण किया। यहाँ उन्होंने कुम्हारी कला आवंटन का रजिस्टर देखा। उन्होंने कहा कि आवंटन के उपरांत तत्काल सम्बंधित को कब्जा दिया जाये। कुम्हारी कला आवंटन के अंतर्गत पात्रों को अधिक से अधिक लाभान्वित किया जाये। कब्जा देने में देरी पर उन्होंने रजिस्ट्रार कानून गो को प्रतिकूल देने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने लापरवाही व अनुपस्थित रहने पर कानूनगो गिरीश पांडे के निलंबन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कृषि आवंटन रजिस्टर व आवास आवंटन रजिस्टर लगातार अद्यतन करने के निर्देश दिए। अभिलेखागार के निरीक्षण में उन्होंने कुछ ग्रामों के अभिलेख स्वयं खुलवाकर देखे। उन्होंने अभिलेखागार में रिकार्ड को व्यवस्थित ढंग से रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खतौनी की भी एक प्रति अभिलेखों में रखी जाये। उन्होंने अग्निशामक को देखकर तहसील कर्मियों को अग्निशमन के बारे में सीखने के निर्देश दिए ताकि यह प्रशिक्षण आकस्मिकता की दशा में काम आये। निर्वाचन अनुभाग के निरीक्षण में जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि अनुभाग में रिकार्ड को व्यवस्थित ढंग से रखा जाये। मतदान केंद्रों का सत्यापन करवा लिया जाये। नजारत

के निरीक्षण में उन्होंने कहा कि कक्ष में एक स्थायी कंट्रोल रूम बनाया जाये जिसका सभी उद्देश्यों के लिए प्रयोग किया जा सके। कक्ष में एक स्क्रीन भी लगवाई जाये। संग्रह अनुभाग के निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि प्रत्येक पटल पर कंप्यूटर की व्यवस्था की जाये। आरसी का ब्यौरा कंप्यूटर में रखा जाये। सभी कर्मचारियों की बैठने की व्यवस्था एक ही कक्ष में की जाये। संग्रह अभिलेखागार के निरीक्षण में उन्होंने कहा कि यहाँ पर अभिलेखों के अतिरिक्त कुछ न रखा जाये। तहसीलदार न्यायालय के निरीक्षण में उन्होंने निर्देश दिया कि वादों का तेजी से निस्तारण किया जाये। 5 वर्ष पुरानी वाद फाइल देखकर उन्होंने तहसीलदार को कड़ी फटकार लगायी। उन्होंने निर्देश दिए कि निर्णीत फाइलों को कोर्ट से हटाकर रिकार्ड रूम में रखवाया जाये। नक्शा सुधार रजिस्टर में आवेदन से लेकर निस्तारण तक की सूचनाओं को समाहित किया जाये। एसडीएम न्यायिक कोर्ट के निरीक्षण में उन्होंने निर्देश दिए कि मामलों को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाये। 5 वर्ष से अधिक पुराने मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाये। उन्होंने नायब तहसीलदार कोर्ट का भी निरीक्षण किया तथा वादों के निस्तारण के लिए नायब तहसीलदार संतोष कुमार को आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी दीक्षा जोशी, उप जिलाधिकारी न्यायिक गरिमा सिंह, तहसीलदार अजय कुमार गुप्ता व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

ध्वजारोहण में शामिल स्वयंसेवकों को कुलपति ने किया सम्मानित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने एन.एस.एस. स्वयंसेवकों को मंगलवार को सम्मानित किया गया। 15 अगस्त 2024 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम में लाल किले पर आमंत्रित किए गए विशेष अतिथि के रूप में पूर्वांचल विश्वविद्यालय के एन.एस.एस. स्वयंसेवकों को कुलपति ने अपने कार्यालय में आमंत्रित कर सम्मानित किया। उन्होंने अपने आशीर्वचन में कहा कि जब आप जैसे युवा राष्ट्रीय कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हैं तो आप ही नहीं पूर्वांचल विश्वविद्यालय सम्मानित होता है। इस बार स्वतंत्रता दिवस लाल किला नई दिल्ली पर विश्वविद्यालय परिसर से एन.एस.एस. के अभिनव कीर्ति पांडेय एवं डॉ. अख्तर हसन रिजवी शिया पीजी कॉलेज जौनपुर की महेक बानो को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। इस दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. राज बहादुर यादव ने स्वयं सेवक एवं स्वयं सेविकाओं का परिचय करवाया। इस अवसर पर डॉ. दिग्विजय सिंह, डॉ. श्याम कन्हैया, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शशिकांत यादव, डॉ.अवधेश मौर्य, राजेंद्र सिंह इत्यादि उपस्थित रहे।

दो दिवसीय लाठर देवा हूण संकुल स्तरीय संस्कृतिक एवं खेल प्रतियोगिता संपन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

झबरेड़ा, हरिद्वार। दो दिवसीय संकुल स्तरीय संस्कृतक एवं खेल प्रतियोगिता का आयोजन रेडियंट स्टार क्रिकेट एकेडमी झबरेड़ी खुर्द के प्रांगण में हुआ, कार्यक्रम का शुभारंभ सेवानिवृत शिक्षक राजीव कुमार द्वारा किया गया, प्रथम दिवस में सब जूनियर स्तर(बालक वर्ग) खोदृखो में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय झबरेड़ी कलां की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, दौड़ (बालक वर्ग) 100 मीटर में सूर्या झबरेड़ी कलां, 200 मीटर में दिव्य नूरपुर पालबस्ती, 400 मीटर में अर्जुन कुमार झबरेड़ी कलां तथा (बालिका वर्ग) 100 मीटर में अवनी नूरपुर पालबस्ती 200 मीटर में कशिश पालबस्ती ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, लंबी कूद में दिव्य नूरपुर पालबस्ती तथा बालिका वर्ग में कशिश पालबस्ती में प्रथम स्थान प्राप्त किया (बालक वर्ग) में यश पालबस्ती तथा तस्तरी फेंक में रणतेज झबरेड़ी कलां ने प्रथम स्थान प्राप्त किया (प्राथमिक वर्ग) में खो खो प्रतियोगिता में राजकीय प्राथमिक विद्यालय नूरपुर बूढ़पुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, 50 मीटर दौड़ (बालक वर्ग) में लक्की लाठरदेवा हूण 100 मीटर में आर्यन झबेरडी कलां, 200 मीटर में अभिजीत नूरपुर, 400 मीटर में अर्णव नूरपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया (बालिका वर्ग) 50 मीटर में मानसी पालबस्ती 100 मीटर में परी झबरेडी कलां 200 मीटर में मानसी पालबस्ती और 400 मीटर में परी झबरेड़ी कलां ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, द्वितीय दिवस पर राजकीय प्राथमिक विद्यालय भगतोवाली में सेवानिवृत्ति प्रधानाध्यापिका विनीता स्टेनले, प्रभारी बी . आर. सी. समन्वयक संदीप कुमार द्वारा सांस्कृतिक प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया जिसमें सुलेख प्रतियोगिता में सब जूनियर स्तर में जिया झबरेडी कलां तथा प्राथमिक स्तर में सिया झबरेड़ी कलां ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। मानचित्र, लोकनृत्य, समूहगान, अंताक्षरी आदि सभी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, खेल एवम सांस्कृतिक प्रतियोगिता को संपन्न कराने में तरुण कुमार हेमलता, विपिन तोमर अरुण कुमार,इकराम अहमद,सुनील कुमार, अरविंद कुमार,सुरेंद्र कुमार, सत्येंद्र कुमार, प्रदीप कुमार, ओमवीर सिंह, रेणू हांडा विवेक राठी,वीर सिंह पवार, प्रधानाध्यापक ठाट सिंह एवं खेल समन्वयक श्री सतीश कुमार सहित संकुल के 12 विद्यालय के छात्राओं ने उत्साह पूर्वक प्रतिभा किया।

घूस मांगने के मामले में फायर कर्मी निलंबित

अयोध्या। भक्ति पथ पर स्थित दुकानों में दुकानदारों से अग्निशमन यंत्र लगाने के लिए घूस मांगना राम जन्मभूमि फायर स्टेशन पर तैनात फायर कर्मी को महंगा पड़ गया। घूस मांगते हुए उसका वीडियो वायरल हो गया। जिसे गंभीरता से लेते आईजी रेंज प्रवीण कुमार के निर्देश पर उसे विभाग द्वारा निलंबित कर दिया गया। इसकी पुष्टि करते हुए अग्निशमन अधिकारी अयोध्या ने बताया कि घूस मांगने के आरोप में आरोपी सुनील दत्त पाण्डेय को आईजी के निर्देश पर निलंबित कर दिया गया है।

उन्होंने बताया कि भक्ति पथ पर एक दुकान में फायर उपकरण लगाने के लिए 3600 रुपए घूस मांगा था।जिसका वीडियो वायरल हुआ था।

प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत मानचित्र के मुताबिक करायें निर्माण कार्य – अश्वनी कुमार पाण्डेय

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। विकास प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत मानचित्र के मुताबिक ही लोग अपने मकानों व प्रतिष्ठानों का निर्माण कार्य कराये।प्रायः यह देखने में आता है कि लोग विकास प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत मानचित्र के मुताबिक निर्माण कार्य न कराकर अवैध रुप से कई मंजिला मकान, दुकान, काम्प्लेक्स,गेस्ट हाउस, होटल व अन्य प्रतिष्ठान, अवैध रुप से बेसमेंट का निर्माण करा लेते हैं।जिसपर शिकंजा कसने के लिए विकास प्राधिकरण द्वारा बीच–बीच में अभियान चलाया जाता है।यह बातें विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अश्वनी कुमार पाण्डेय ने कही।उन्होंने बताया कि कोई भी व्यक्ति मकान निर्माण कार्य कराने के साथ–साथ बेसमेंट का निर्माण कार्य करा सकता है। लेकिन इसका निर्माण कार्य कराने वाले स्वामियों को जिस तरह से मकान, दुकान, काम्प्लेक्स, गेस्ट हाउस,होटल आदि का निर्माण कार्य कराने के लिये विकास प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृति कराना होता है उसी प्रकार यहां पर बेसमेंट का निर्माण कार्य कराने के लिये भी विकास प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृति कराना होता है।उसी मानक के अनुसार लोगों को इसका निर्माण कार्य कराना चाहिए।अगर कोई भी व्यक्ति विकास प्राधिकरण द्वारा स्वीकृति मानचित्र के मुताबिक अपने अपने प्रतिष्ठानों का निर्माण कार्य नहीं कराता है तो उसके विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जायेगी।उन्होंने भवन निर्माण व अन्य प्रतिष्ठानों का निर्माण कार्य करा रहे स्वामियों से अपील किया कि वे पहले विकास प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत मानचित्र के अपने अपने प्रतिष्ठानों का निर्माण कार्य कराये।बताते चलें कि इस समय शहर में विकास प्राधिकरण

द्वारा स्वीकृत मानचित्र से हटकर अधिकतर लोग अवैध रुप से मकानों, दुकानों, गेस्ट हाउस, होटल, रेस्टोरेंट,माल सहित अन्य प्रतिष्ठानों का निर्माण कार्य कराये है। वही अवैध रुप से बेसमेंट का निर्माण कार्य कराये है। जिसके चलते शहर में जाम लगने का एक मुख्य कारण यह भी बना हुआ है।अगर देखा जाए तो इस समय खवासपुरा ,साहबगंज, नाका,शांति चौक,नियांव, बजाजा, फतेहगंज, चौक, रिकाबगंज,मोदहा सहित कई चौराहों व मार्गों पर जाम लगना आम बात हो गई है।जिसका मुख्य कारण वहां पर आने वाले ग्राहकों की बाइक, चार पहिया वाहनों का वाहन पार्किंग के अभाव में इधर उधर अजीबोगरीब ढंग से खड़े होने के चलते हैं।

पुलिस ने जुआ खेलते 10 लोगो को किया गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नगर कोतवाली थाना अंतर्गत कोतवाली पुलिस ने मंगलवार को मुखबिर की सूचना पर 10 जुआरी को जुआ खेलते हुये गिरफ्तार किया है। मौके से माल फड पर एक लाख रुपए 5 बाइक 8 मोबाइल व तलाशी में 9500 हजार रुपए नगद बरामद किया है। इस संबंध मे जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार ने बताया की पुलिस अधीक्षक डॉ अजय पाल शर्मा के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण में कोतवाली पुलिस द्वारा मुखबीर की सूचना पर राज कालेज मैदान मोहल्ला शहाबुद्दीनपुर के पास से जुआ खेलते हुये 10 जुआरी को जुआ खेलते हुए गिरफ्तार किया है। इनके पास से एक लाख रूपया तथा 9500 रूपये जामा तलाशी व 5 बाइक व 8 मोबाइल एनड्रायड भिन्न–भिन्न कम्पनियो का बरामद किया गया। जिसके आधार पर धारा 13 जुआ अधिनिमय पंजी कृत करके विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्तों में अंकित जायसवाल (23) पुत्र अमीर जायसवाल नि0 बेगंगंज कोतवाली, अच्छेलाल (33) पुत्र हरिबंश निषाद नि0 धर्मापुर थाना गौराबादशाहपुर, मो0 इरफानुल रहमान (38) पुत्र मो0 रफीकुल रहमान(38) नि0 मुफ्ती मोहल्ला कोतवाली,विजय सोनकर पुत्र (38) पुत्र मूलचन्द्र सोनकर नि0 सुख्कीपुर थाना कोतवाली, नन्दलाल प्रजापति (30) पुत्र छोटेलाल प्रजापति नि0 दाउदपुर थाना कोतवाली, मनीष सोनकर (30) पुत्र वासदेव सोनकर नि0 बेगमगंज थाना कोतवाली, सोनू सोनकर (30)पुत्र बद्री सोनकर नि0 बेगमंगज थाना कोतवाली ,सुभाष यादव (35)पुत्र राजबली यादव नि0 कलीचाबाद थाना लाइन बाजार,अम्बुज कुमार यादव पुत्र अमर बहादुर यादव (40) नि0 कुहिया थाना सरायख्वाजा ,मनीष कुमार सिंह (32)पुत्र अतेन्द्र सिंह नि0 शेरवा थाना सिकरारा शामिल है ।

जनपदीय कला उत्सव प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

अयोध्या। राजकीय बालिका इण्टर कालेज में जनपदीय कला उत्सव प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।प्रतियोगिता का आयोजन प्रधानाचार्या (प्रभारी) राजकीय बालिका इण्टर कालेज पुष्पलता सिंह एवं संयोजन जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ राजेश कुमार आर्य द्वारा किया गया।कला उत्सव राजेश कुमार आर्य के समवयक शैलेश कुमार नोडल अधिकारी अशोक सरोज एवं संचालन मौजी लालू प्रवक्ता एम.पी. एल. एल. आदर्श इण्टर कालेज अयोध्या प्रथम ने किया।उक्त प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर चयनित छात्रा 12 सितम्बर मण्डलीय कला उत्सव प्रतियोगिता में राजकीय इंटर कालेज को अयोध्या में प्रतिभाग करेंगे।कला उत्सव की 12 विद्याओं में प्रथम स्थान पर, मानसी मिश्रा, काजल, वंकिम चन्द्र, गुलसन कुमार, अनम फातिमा, अभिषेक विश्वकर्मा, प्रवीण श्रीवास्तव, अनमोल पाल, सगुन श्रीवास्तव आकार निषाद, तमन्ना, पाण्डेय संस्कृति शुक्ला, कुसावरीन लक्ष्मी आनन्द, कुनाल– देव निषाद शिवानी संगम कुर्नाल निषाद, –चमान् शिवम गौतम, चयनित में प्रीति मेहरोत्रा, सुधारानी, स्वेता श्रीवास्तव जायसवाल चयनित हुए। इस मौके पर कल्पना वर्मा, प्रीति अध्यापक गण उपस्थित रहे।

बांके से काटकर युवक को उतारा मौत के घाट, हत्या से इलाके में दहशत

हरदोई(अंबरीष कुमार सक्सेना) आज सुबह एक युवक ने पड़ोस में रह रहे दूसरे युवक की बांके से काट कर हत्या कर दी। वैसे तो हत्यारे को सिरफिरा बताया जा रहा, लेकिन कहा जा रहा है कि वजह कोई खास रही होगी। जो इस तरह की वारदात को अंजाम दिया गया। वारदात बघौली थाने के उम्मरपुर में हुई। हालात को देखते हुए पुलिस ने वहां डेरा डाल दिया है। गहराई से छानबीन की जा रही है। इंस्पेक्टर विवेक कुमार ने बताया कि बघौली थाने के उम्मरपुर निवासी 23 वर्षीय कमल किशोर उर्फ कमलू पुत्र ओमप्रकाश की उसके पड़ोसी मान सिंह पुत्र देशराज ने बांके से ताबड़तोड़ हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया। इस घटना से पूरे इलाके में दहशत फैल गई। गांव वाले हत्यारे मान सिंह को सिरफिरा बता रहें है। इस तरह की गई हत्या के पीछे कोई खास वजह रही होगी। हत्या की खबर ने पुलिस को हलकान कर दिया। गांव के हालात को देखते हुए वहां पुलिस ने डेरा डाल रखा है। पूरे मामले पर गहराई से जांच की जा रही है।

एडिशनल एसपी से मिला पीपीसी का प्रतिनिधिमंडल सौपा साक्ष्य

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। केराकत थाना क्षेत्र के धरौरा गांव में पिछले महीने पीड़ित विजेंद्र दुबे के घर की खिड़की को पुलिस और प्रशासन द्वारा जबरन बंद कराए जाने के मामले में पीड़ित ने सैकड़ो पत्रकारों के साथ बीते दिनों एडीजी जोन पियूष मोर्डिया से मुलाकात कर उन्हें इस आशय का ज्ञापन सोपा था कि विपक्षी अनिल दुबे के धन बल के प्रभाव में आकर एसडीम केराकत सुनील भारतीय व थानाध्यक्ष केराकत संजय सिंह जबरन पीड़ित के घर की खिड़की बंद करवा कर सप्ताह भर के भीतर दो बार बगैर घटना घटित हुए ही विपक्षी के फर्जी तहरीर पर दो बार गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मुझे प्रताड़ित कर रहे हैं। एडीजी जोन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल प्रभाव से फर्जी मुकदमों को खारिज करने के साथ–साथ एडिशनल एसपी जौनपुर को जांच कर कार्यवाही का जिम्मा सौंप दिया था। इसी मामले में मंगलवार को पूर्वाहन पत्रकार प्रेस क्लब के प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम पाठक के नेतृत्व में दर्जनों पत्रकार एडिशनल एसपी बृजेश कुमार से मुलाकात कर उन्हें मामले से संबंधित साक्ष्य सौप कर कार्रवाई की मांग किया। एडिशनल एसपी बृजेश कुमार ने पत्रकारों को आश्वस्त्व किया मामले कि निष्पक्ष जांच होगी और जो दोषी होगा उसके विरुद्ध कार्यवाही के लिए एडीजी जोन को रिपोर्ट भी भेजी जाएगी। एडिशनल एसपी से मिलने वालों में प्रदेश अध्यक्ष श्री पाठक जी के साथ प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज भूषण मिश्रा,पीपीसी वाराणसी के मंडल उपाध्यक्ष अखिलेश सिंह, जौनपुर के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष उमेश मिश्रा, जिला संयोजक विवेक सिंह राजपूत जिला सूचना एवं प्रसारण मंत्री गुलजार अली, जिला संरक्षक दीपक श्रीवास्तव, जिला सचिव अभिषेक पांडे,,अरविंद कुमार पटेल, बृजनंदन स्वरूप,शशिकांत मौर्य,अंकित श्रीवास्तव, शिवशंकर विश्वकर्मा,नवीन जायसवाल,मिथुन अहमद,पवन कुमार गुप्ता, कमलेश यादव,राजेश पाल,शिवानंद शुक्ला,विजेंद्र दुबे,वीरेंद्र कुमार दूबे, देवेंद्र, दूबे,रामआधार,सुधीर उपाध्याय,आलोक सिंह, नीरज सिंह,जहीर अहमद,दीपक श्रीवास्तव, बृजेश कुमार मिश्रा, मसूद अहमद सहित दर्जनों पत्रकार उपस्थित रहे।

डश्न आलोक कुमार यादव के मार्गदर्शन में प्रो. बोनो क्लब अभिवादन सत्र सम्पन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। प्रो बोनो क्लब अभिवादन सत्र में पहले वर्ष के छात्रों को प्रेरित किया गया। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय में प्रो बोनो क्लब ने पहले वर्ष के छात्रों के लिए एक सफल अभिवादन सत्र का आयोजन किया, जिसमें उन्हें प्रो बोनो कार्य की दुनिया से परिचित कराया गया और उन्हें सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए प्रेरित किया गया।

इस सत्र में डॉ. आर.के. सिंह, निदेशकय डॉ. बी.डी. सिंह, प्रमुख और डीन, विधि संकायय डॉ. अभिषेक तिवारी, अतिरिक्त डीएसडब्ल्यू डॉ. आलोक कुमार यादव, प्रो बोनो क्लब के प्रभारी संकायय और डॉ. सुधीर वर्मा, सह–अध्यक्ष उपस्थित थे। क्लब की कार्यकारी टीम ने अपने अनुभव साझा किए, प्रो बोनो कार्य के लाभों और सदस्यों के लिए उपलब्ध अवसरों पर प्रकाश डाला। डॉ. आर.के. सिंह ने कहा, ष्प्रो बोनो कार्य के माध्यम से हम समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। डॉ. बी.डी. सिंह ने कहा, कानून के छात्रों को समाज की सेवा करने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। डॉ. अभिषेक तिवारी ने कहा, ष्प्रो बोनो कार्य के माध्यम से हम अपने कौशल को विकसित कर सकते हैं और समाज में योगदान कर सकते हैं। सत्र का उद्देश्य छात्रों को सक्रिय नागरिक बनाने और सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए प्रेरित करना था। हम अपने नए सदस्यों का स्वागत करने और उनकी यात्रा में उनका समर्थन करने के लिए रोमांचित हैं।

शराब पिलाकर कराया भूमि का बैनामा, किसान ने फंदा लगाकर दी जान, रिपोर्ट दर्ज

महोबा, संवाददाता। महोबा जिले में थाना महोबकंठ के टिकरिया में किसान को शराब पिलाकर उसकी जमीन का बैनामा करा लिया गया। जानकारी होने पर परिजनों ने दाखिल–खारिज पर रोक लगाई तो आरोपी दबंग की जानमाल की ध मकी से आहत किसान ने फंदा लगाकर जान दे दी। मामले में कार्रवाई की मांग को लेकर परिजनों ने सोमवार को थाने के बाहर हंगामा किया। बाद में पुलिस ने मृतक के बेटे की तहरीर पर चार लोगों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। टिकरिया निवासी हरी सिंह यादव (41) खेती–किसानी करता था। शराब का आदी होने के चलते गांव के ही एक युवक ने हरी सिंह को शराब पिलाकर 18 दिसंबर 2023 को उसकी एक बीघा जमीन और तीन मई 2024 को तीन बीघा जमीन का बैनामा करा लिया। जब

इसकी जानकारी किसान के बेटे राघवेंद्र को हुई तो उसने विरोध किया और न्यायालय में वाद दायर कर दाखिल–खारिज रुकवा दिया। इसके बाद आरोपी उसे धमकी देने लगे। इससे आहत हरी सिंह ने रविवार की रात मकान के कमरे में साड़ी का फंदा बनाकर जान दे दी। मृतक के बेटे ने बताया कि उसके पिता को शराब पिलाकर गांव के मान सिंह यादव ने अपनी बेटी अंजू के नाम चार बीघा जमीन का बैनामा करा दिया था। दाखिल–खारिज रुकवाने पर आरोपी मुकदमा वापस लेने अन्यथा पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दे रहे थे। इससे आहत पिता ने आत्महत्या कर ली। घटना से आक्रोशित परिजन व रिश्तेदार थाने पहुंच गए और हंगामा करते हुए कार्रवाई की मांग की। मृतक के बेटे की तहरीर पर पुलिस ने मान सिंह, राजेश, संजय व अंजू के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मुकदमा दर्ज किया है।

संक्षिप्त खबरें

राजेश वर्मा ने संभाला उत्तर प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष का कार्यभार

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के नए अध्यक्ष राजेश वर्मा ने मंगलवार को औपचारिक रूप से अपना कार्यभार ग्रहण किया। यह नियुक्ति राज्य के पिछड़ा वर्ग आयोग के कार्यों, जातियों के सम्मेलन, रक्षा उपायों से संबंधित शिकायतों के समाधान और पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए योजनाएं बनाने के उद्देश्य से की गई है। इस अवसर पर राजेश वर्मा के साथ उपाध्यक्ष सूर्य प्रकाश पाल और सदस्यों के रूप में मेला राम पवार, वासुदेव मौर्य, विनोद यादव, शिवमंगल बियार, लक्ष्मण सिंह, डॉ. मुराहू राजभर, प्रमोद सैनी, करूणा शंकर पटेल, रामशंकर साहू, विनोद सिंह और कु. ऋचा राजपूत ने भी अपने–अपने पदों का कार्यभार संभाला। कार्यभार ग्रहण करने के दौरान उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास एवं संसदीय कार्य राज्यमंत्री जसवन्त सैनी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ मिश्रिख के सांसद अशोक रावत, सचिव राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग मनोज कुमार सागर, जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला, पूर्व विधायक सुनील वर्मा और अन्य प्रमुख जन प्रतिनिधि भी इस महत्वपूर्ण अवसर पर मौजूद थे।

दंपती से लूट की घटना में चौकी इंचार्ज लाइन हाजिर

उन्नाव, संवाददाता। लखनऊ–कानपुर हाईवे पर नवाबगंज चौकी के पास बाइक सवार दंपती के साथ हुई लूट की घटना में एसपी ने चौकी इंचार्ज को लाइन हाजिर कर दिया है। उधर, पुरवा कोतवाल को भी बदला गया है। अजगैन कोतवाली के केवाना गांव निवासी संतोष कुमार गुरुवार रात 11 बजे लखनऊ से पत्नी उमा के साथ बाइक से घर लौट रहे थे। वह नवाबगंज चौकी के पास पहुंचे थे, तभी पीछे से आए बाइक सवार दो लुटेरों ने उनकी बाइक में टक्कर मारी थी। सड़क पर गिरने के बाद लुटेरे जेवर और रुपयों से भरा बैग लूट ले गए थे। चौकी के पास की घटना होने से नवाबगंज चौकी इंचार्ज अरविंद पांडेय की लापरवाही मिलने पर एसपी ने उन्हें लाइन हाजिर कर दिया। उनके स्थान पर दरोगाखेड़ा चौकी में तैनात मुन्ना कुमार को तैनात किया गया है। कोतवाल अवनीश सिंह ने बताया कि चौकी इंचार्ज पर कार्रवाई हुई है। उधर, पुरवा कोतवाल रहे कुंवर बहादुर सिंह को प्रभारी निरीक्षक थाना एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटी) बनाया गया है। उनके स्थान पर एएचटी में तैनात राकेश कुमार गुप्ता को पुरवा कोतवाली प्रभारी बनाया गया है।

हादसे में बाइक सवार दंपती और बच्चा घायल

कानपुर–लखनऊ हाईवे पर जगदीशपुर के पास वाहन की टक्कर से बाइक सवार दंपती और बच्चा घायल हो गया। एंबुलेंस से तीनों को नवाबगंज सीएचसी लाया गया, जहां से डॉक्टर ने युवक को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

लखनऊ के थाना बंथरा के कल्लनखेड़ा गांव निवासी लवकुश (37) अजगैन के मुंडेरा गांव स्थित ससुराल आया था। रविवार सुबह पत्नी सुप्रिया (35) और चार साल के बच्चे कार्तिक के साथ घर जा रहा था। कानपुर–लखनऊ हाईवे पर जगदीशपुर गांव के पास वाहन की टक्कर से तीनों घायल हो गए। नवाबगंज सीएचसी से लवकुश को जिला अस्पताल रेफर किया गया। परिजन लखनऊ के निजी अस्पताल ले गए।

ट्रक की टक्कर से बेटी की मौत, माता–पिता घायल

महोबा, संवाददाता। शाहपहाड़ी–महोबा मार्ग पर खनिज बैरियर के पास तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। हादसे में मासूम बालिका की मौत हो गई जबकि माता–पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया गया। पिता की हालत नाजुक होने पर डॉक्टर ने झांसी रेफर कर दिया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर वाहन व उसके चालक की तलाश कर रही है। कोतवाली क्षेत्र के पसवारा निवासी परशुराम अहिरवार (45) रविवार की शाम बाइक से पत्नी रानी (35) व बेटी रागिनी (07) के साथ थाना श्रीनगर के भंडरा गांव में बीमार अपनी सरहज गीता को देखने जा रहा था। खनिज बैरियर के पास तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से उन्हें टक्कर मार दी। इससे तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस से घायलों को जिला अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टर ने मासूम रागिनी को मृत घोषित कर दिया। वहीं पिता की हालत नाजुक होने पर झांसी रेफर कर दिया जबकि मां का उपचार चल रहा है। दुर्घटना के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही मृतका के भाई वीरू, पुष्पेंद्र, बहन काजल, मामा विनोद व अन्य परिजन अस्पताल पहुंच गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है।

सराफा व्यवसायी को गोली मारकर जेवरात से भरा बैग छीना

रायबरेली, संवाददाता। रायरबेली के लालगंज थाना क्षेत्र के सेमरपहा गांव के गणेशन मंदिर के पास सोमवार की सुबह बाइक सवार बदमाशों ने सराफा व्यवसाई को गोली मारकर उसका जेवरात से भरा बैग छीन कर भाग गए।

गोली युवक के चेहरे में धंस गई। घायल को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जहां उसका इलाज चल रहा है। व्यवसायी के भाई शिवम सोनी ने बताया कि उसके भाई पूरेगुरदी मजरे कोरिहरा निवासी हरिओम सोनी की अंबारा पश्चिम गांव में श्री बालाजी ज्वेलर्स के नाम से दुकान है। वह रोज की तरह बाइक से अपनी दुकान जा रहा था तभी बाइक सवार दो बदमाशों ने गणेशन मंदिर के पास उसे गोली मार दी और करीब दस लाख कीमत के जेवरातों से भरा छीन कर फरार हो गए।

सीएम करेंगे पांच नवनिर्मित आंगनबाडी के भवनों का लोकार्पण

अयोध्या। सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को जिले में 5 नव निर्मित आंगनबाड़ी केंद्रों भवनों का लोकार्पण करेंगे। इस संबंध में जिला कार्यक्रम अधिकारी अजय कुमार त्रिपाठी ने बताया कि मसौधा में मधुपुर में मधुपुर–3,मिल्कीपुर के अगरबा में, हैरगिटंन गंज के सिधौरा में सिंधौरा – 3 व उरुवा वैश्य मे उरुवा वैश्य – 2 तथा सोहावल के इब्राहिम पुर कंधई में इब्राहिम पुर कंधई (पिनावा) मे आंगनबाड़ी केंद्रों के नवनिर्मित भवनों का लोकार्पण करेंगे। इस मौके पर क्षेत्रीय विधायक व अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे।

दुष्कर्म पीड़िता को 10 घंटे तक चौकी में बिठाए रखा

बाराबंकी, संवाददाता। पुलिस चौकी क्षेत्र त्रिलोकपुर में किशोरी के अपहरण व दुष्कर्म के मामले में कार्रवाई के बजाय पुलिस कर्मियों ने संवेदनहीनता की हद पार कर दी। पीड़िता के मामा के अनुसार किशोरी को करीब 10 घंटे तक चौकी में बिठाए रखा गया, वहीं आरोपी व उसके साथी कुर्सी पर बैठकर अश्लील बातें करते रहे। आरोप है कि पुलिस की शह पर आरोपियों ने पीड़िता के मामा को ऑनलाइन 50 हजार रुपये भी भेज दिए। रविवार दोपहर एसपी ने एसएचओ को लाइन हाजिर करते हुए चौकी इंचार्ज को सस्पेंड कर दिया। मसौली थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने एसपी से शिकायत करते हुए बताया कि वर्ष 2018 में उसके बहनोई की हत्या के दूसरे दिन बहन ने आत्महत्या कर ली थी। 16 साल की भांजी की देखरेख वही करता है। 22 अगस्त को भांजी शौच के लिए जा रही थी तो गांव के अंकित वर्मा ने उसे कार में खींच लिया और शहर स्थित एक होटल में बंधक बनाकर दुष्कर्म किया। 23 अगस्त को किशोरी की हालत खराब होने पर उसे इलाज के बहाने लखनऊ, कानपुर व गाजियाबाद ले गया। एक कमरे में फिर दुष्कर्म किया। 25 अगस्त को अंकित किशोरी को गांव के बाहर छोड़कर भाग गया। पीड़िता के मामा के अनुसार 25 अगस्त को पुलिस ने किशोरी को ही सुबह 11 से रात नौ बजे तक चौकी पर बिठाए रखा। आरोपी अंकित को कुर्सी पर बैठाया। अंकित के छह दोस्त भी चौकी पर मौजूद रहे। इस दौरान आरोपी व उसके दोस्त अश्लील बातें करते हुए मजाक उड़ाते रहे। किशोरी ने विरोध किया तो भीड़ जुट गई। इसके बाद पुलिस ने पीड़िता, उसके नाबालिग भाई व मामा से चार पन्नों पर हस्ताक्षर बनवा लिए जिसमें आरोपी को बचाने की मनगढ़ंत कहानी लिखी। जबरन सुलह भी करा दी। इतना ही नहीं मामला शांत करने के लिए किशोरी के मामा को ऑनलाइन 50 हजार रुपये का भुगतान भी करा दिया। एसपी दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि लापरवाही पाए जाने पर इस मामले में चौकी इंचार्ज मनोज कुमार को सस्पेंड कर दिया गया जबकि एसएचओ मसौली अरुण प्रताप सिंह को लाइन हाजिर किया गया है। मामले की जांच एएसपी को सौंपी गई है।

आठ दिन बाद मुकदमा, आरोपी गिरफ्तार

22 अगस्त को किशोरी के लापता होने के बाद उसके मामा ने त्रिलोकपुर पुलिस चौकी में तहरीर दी थी लेकिन पुलिस ने उसे खोजने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई। मामला उच्चाधिकारियों तक पहुंचने के बाद मसौली पुलिस ने आनन–फानन अपने मन की दूसरी तहरीर बनाकर केस दर्ज कर लिया। एएसपी उत्तरी चिरंजीव नाथ सिन्हा ने बताया कि आरोपी युवक अंकित को गिरफ्तार कर लिया गया है।

दर्द की दवा देकर दुष्कर्म

दुष्कर्म पीड़िता के मामा के अनुसार किशोरी ने बताया कि उसे दर्द होने पर आरोपी दवा दे देते थे। इतना ही नहीं बाराबंकी के बाद जिस कमरे में ले गए, उसे अंकित ने अपने भाई का कमरा बताया था।

सड़क हादसों में दो युवकों की मौत

बाराबंकी, संवाददाता। चार जगहों पर हुए सड़क हादसों में जहां दो युवकों की मौत हो गई, वहीं पांच लोग घायल हो गए। मृतकों के परिवारों में कोहराम मचा है। पुलिस हादसों के बाद केस दर्ज कर कार्रवाई करने में जुटी है। रविवार शाम जिला अमेठी के थाना क्षेत्र तिलोई के आजादपुर दिलावलगढ़ निवासी अरसद वारसी (24) बाइक से लखनऊ–सुल्तानपुर हाईवे पर जा रहे थे। स्थानीय लोगों के मुताबिक कस्बा हैदरगढ़ में सड़क किनारे खड़े वाहनों के चलते जाम की स्थिति बनी थी। इस दौरान सरांय मस्जिद व हनुमान मंदिर के बीच सरिया लाद कर जा रहे ई रिक्शा के अचानक मुड़ने पर हुई टक्कर में अरसद बाइक से सड़क पर गिरे ही थे कि पीछे से आ रहे ट्रक का पहिया उनके ऊपर से गुजर गया। सीएचसी हैदरगढ़ में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। अरसद ने हेलमेट पहन रखा था। वहीं, शनिवार देर रात थाना क्षेत्र तिलोई के चिलौली नवाखेड़ा के पिंटू (25) अज्ञात वाहन की टक्कर से गंभीर घायल होकर सीएचसी हैदरगढ़ पहुंचे जहां से लखनऊ के केजीएमयू रेफर कर दिया गया। उधर, थाना क्षेत्र लोनीकटरा में लखनऊ–सुल्तानपुर हाईवे पर शनिवार देर रात दो बाइकों में भिड़ंत हो गई। बाइक सवार कोतवाली हैदरगढ़ के गांव करौंदी के राहुल सिंह (24), इनके छोटे भाई अंकित (20) व दरियांव का पुरवा गांव के आशीष कुमार (32) घायल हो गए। आशीष को गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। फतेहपुर कोतवाली क्षेत्र के गणेश पुरवा निवासी दिवाकर (32) अपने साथी अंतरिक्ष के साथ शनिवार रात गांव के बाहर सड़क किनारे खड़े होकर बात कर रहे थे। इस दौरान फतेहपुर से सूरतगंज जा रहे तेज रफ्तार ऑटो ने दोनों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। इस दौरान ऑटो लेकर चालक फरार हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से परिजनों ने दोनों को सीएचसी फतेहपुर पहुंचाया जहां दिवाकर को मृत घोषित कर दिया गया। खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया। दिवाकर अविवाहित थे। फतेहपुर के कोतवाल डीके सिंह ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया गया है।

बदमाशों ने परिवार को बंधक बना साढ़े चार लाख लूटे

रायबरेली, संवाददाता। कोतवाली क्षेत्र के सैमसी गांव में शनिवार देर रात नकाबपोश बदमाशों ने एक घर पर धावा बोलकर परिवार को बंधक बनाकर नकदी व जेवरात समेत साढ़े चार लाख का सामान लूट लिया। विरोध करने पर तमंचा तान दिया। घटना से महिला व उसके दो बच्चे सहम गए। पुलिस का दावा है कि घटना लूट की नहीं है, बल्कि चोरी की है। लालगंज कोतवाली क्षेत्र के सैमसी गांव की रहने वाली सुनीता पत्नी राजू रैदास के मुताबिक रायबरेली–उन्नाव नेशनल हाईवे 31 के निकट उसका घर है। देर रात करीब एक बजे पहले दो बदमाश दीवार फांदकर जीने के रास्ते घर में दाखिल हुए। उस समय वह 17 साल की बेटी आरोही, 13 साल की नैंसी व आठ साल के बेटे युग के साथ घर के बरामदे में सो रही थी। जब तक वह कुछ समझ पाती दो बदमाशों ने उसका मुंह दबा दिया और तमंचे दिखाकर उसे काबू में कर लिया। बच्चे भी डर से सहम गए। इसके बाद दोनों बदमाशों ने घर के बाहर का दरवाजा खोला। इस पर तीन बदमाश और घर के अंदर घुस आए। बदमाशों ने फ्रिज के ऊपर रखी चाभियां लेकर करीब आधे घंटे के भीतर अलमारी और बक्सों में रखी तीन हजार रुपये व जेवरात लूट लिए। कुल साढ़े चार लाख की लूट हुई। महिला को धमका कर उसके कान के झाला, सोने का लॉकेट और पायल भी उतरवा लिए। उसका मोबाइल छीनकर घर के पीछे बने हाते में फेंक दिया और बच्चों सहित उसे कमरे में बंद कर बाहर से कुंडी लगा दी।

महिला ने बताया कि घटना के करीब 15 से 20 मिनट बाद उसने बच्चों के साथ मिलकर दरवाजे को पीछे से जोर से खींचा तो कुंडी खुल गई। तब जाकर उसने पड़ोस में रहने वाले परिवार के अन्य सदस्यों को घटना के बारे में बताया। परिवारीजनों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना को लेकर पड़ताल की है। महिला ने बताया कि बदमाश चेहरा ढके थे। वह सिर्फ कच्छा पहने हुए थे। उसने लूट की घटना की तहरीर पुलिस को दी थी। पुलिस ने चोरी की घटना की तहरीर ली है।

केस्को में सिंगल विंडो सिस्टम– कनेक्शन लेना हो या बिल में गड़बड़ी सुधरवानी हो, डायल करें 1912

कानपुर, संवाददाता। अब कनेक्शन लेना हो या बिल में गड़बड़ी सुधरवानी हो, या बिजली से संबंधित अन्य कोई काम हो। इसके लिए उपभोक्ताओं को कार्यालयों और अधिकारियों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। इसके साथ ही दलालों के चक्कर में भी नहीं पड़ना पड़ेगा। उन्हें एक ही जगह सभी सुविधाएं मिल जाएंगी। इसके लिए सिंगल विंडो सिस्टम की व्यवस्था की जा रही है। इसके तहत सिर्फ 1912 पर फोन करना पड़ेगा। यहां पर आपकी शिकायत नोट की जाएगी। एक यूनिक आईडी नंबर भी दिया जा सकता है। उसी से सारे काम होंगे। इसके साथ ही लिखित आवेदन के लिए 12 जगहों पर हेल्प डेस्क भी बनाई जाएंगी। यहां पर आवेदन को लेकर फीस, कार्य की अवधि

और अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां दी जाएंगी। यह व्यवस्था अक्तूबर तक चालू हो सकती है। कानपुर के साथ ही बरेली, अलीगढ़, मेरठ आदि शहरों के बिजली डिस्कॉम में इसी तरह की व्यवस्था रह सकती है। केस्को के 94 सब स्टेशनों के अंतर्गत लगभग सात लाख उपभोक्ता आते हैं। मौजूदा समय में नए कनेक्शन, लोड बढ़वाने, बिजली बिल जमा कराने, बिल संशोधन, ट्रांसफार्मर लगवाने, पोल हटवाने, नई लाइन खिंचवाने सहित अन्य कार्यों के लिए उपभोक्ताओं को सब स्टेशन में आवेदन करना पड़ता है। हालांकि केस्को के हेल्पलाइन नंबर और एक्स अकाउंट पर भी शिकायत की जा सकती है। इसके बावजूद कई बार उपभोक्ताओं के कार्य समय पर पूरे नहीं हो पाते हैं। इसकी बड़ी वजह है कि सब स्टेशन के अंतर्गत आने वाले अधिकारियों पर सप्लाई सिस्टम के साथ ही राजस्व वसूली और फॉल्ट आदि की जिम्मेदारी रहती है। इसमें कार्य न होने पर उपभोक्ता एक्सईएन, सुप्रीटेंडिंग इंजीनियर से लेकर केस्को एमडी के पास तक शिकायत करने के लिए पहुंचते हैं। इस समस्या को देखते हुए अलग–अलग अधिकारियों को कार्यों का जिम्मा दिया जाएगा। इसका ढांचा लाइनमैन से लेकर जेई, एई, एक्सईएन, सुप्रीटेंडिंग इंजीनियर तक रहेगा। सभी कार्य तय समय पर किए जाने का प्रावधान रहेगा। चारों सर्किल के सुप्रीटेंडिंग इंजीनियर, मुख्य अभियंता, निदेशक और एमडी सभी कार्यों की मॉनीटरिंग करेंगे।

दोहरे हत्याकांड में शामिल 50 हजार का इनामी बदमाश मुठभेड़ में घायल

बागपत, संवाददाता। बागपत जनपद में पुलिस ने 50 हजार के इनामी बदमाश को मुठभेड़ में धर दबोचा। मंसूरपुर–खैला के बीच नलकूप पर मंसूरपुर के हिस्ट्रीशीटर कविंद्र और गाजियाबाद नवीपुर के उसके साले कुलदीप की हत्या में शामिल 50 हजार का इनामी गौतम जाटव क्राइम ब्रांच की मुठभेड़ में पैर में गोली लगने से घायल हो गया। जिसका जिला अस्पताल में उपचार कराया गया। मंसूरपुर गांव के हिस्ट्रशीटर कविंद्र और उसके साले कुलदीप निवासी नवीपुर जिला गाजियाबाद की नलकूप पर गोलियां मारकर हत्या कर दी गई थी, जिसमें मृतक कुलदीप के भाई एडवोकेट संदीप ने चांदीनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। संदीप ने बताया कि उसका बहनोई कविंद्र व विपुल निवासी रमाला शुक्रवार रात करीब साढ़े सात बजे उनके घर पिता का हाल जानने के लिए पहुंचे थे। जहां से हरेंद्र अपने भाई दीपक पहलवान, गौतम जाटव निवासीगण खैला, दीपक उर्फ फुर्तीला निवासी बालैनी व तीन अज्ञात युवकों के साथ पहुंचा और दोनों को साथ ले आया। जिन्होंने मंसूरपुर के पास नलकूप पर लाकर दोनों की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने मुख्य आरोपी हरेंद्र को गिरफ्तार कर हत्या में प्रयुक्त पिस्टल और एक बाइक बरामद की, जबकि हर्ष डौला व एक अन्य युवक का नाम प्रकाश में आया।

पुलिस ने फरार आरोपी दीपक फुर्तीला, हर्ष डौला और गौतम जाटव पर 50–50 हजार रुपये का इनाम घोषित कर दिया गया है। फरार आरोपियों की तलाश में सीओ क्राइम अनिल कपरवान और इंस्पेक्टर राकेश शर्मा की टीम लगी हुई थी। बताया कि चांदीनगर क्षेत्र में क्राइम ब्रांच की टीम की फरार 50 हजार के इनामी गौतम जाटव के साथ मुठभेड़ हो गई और पैर में गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस का कहना है कि अन्य आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। जिन्हें जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पेड़ से लटका मिला किशोरी का शव, हत्या का आरोप

सीतापुर, संवाददाता। लापता एक किशोरी का शव रविवार को पेड़ से लटका मिला। परिजनों ने गांव के ही दो लोगों समेत तीन पर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। तहरीर के आधार पर तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।ष्आरोपी मां–बेटे हिरासत में हैं। इच्छा गांव निवासी खुशबू (15) का शव रविवार को गांव के बाहर खेत में लगे पेड़ पर फंदे से लटका मिला। पिता विजय कुमार ने थाने में तहरीर देकर तीन लोगों को नामजद करते हुए कहा कि आरोपियों ने उसकी पुत्री खुशबू की पिटाई के बाद हत्या कर दी। फिर शव को पेड़ से लटका दिया। परिजनों के मुताबिक शनिवार शाम से ही किशोरी घर से लापता थी। सुबह चचेरी बहन जब नित्यक्रिया के लिए गांव के बाहर खेतों में गई तो उसे जानकारी हुई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतारा और परिजनों के बयान दर्ज किए। मामले को देखते हुए फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य एकत्रित किए हैं। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है लेकिन परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है। जिसके आधार पर गांव के ही प्रमोद उसकी मां मीरा व रेउसा निवासी उसके मामा साहेब पर हत्या की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मां और मामा को हिरासत में ले लिया गया है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।